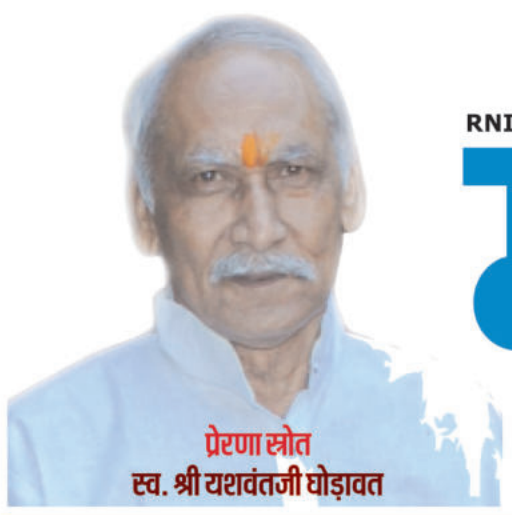
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

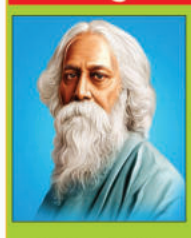

मिट्टी के बंधन से मुक्ति किसी भी पेड़ के लिए आजादी नहीं हो सकती।

रवीद्रनाथ टैगोर

वर्ष-06, अंक - 48 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 22 अगस्त 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

यह कैसा सुशासन जहां बागड़ ही खेत खा रही है....!

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सुशासन दिवस मनाती है। वही भाजपा चुनावो में भी सुशासन देने का वादा करती आ रही है। लेकिन पिछले लगभग 11 वर्ष केंद्र में और 20 वर्ष राज्य में सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा अपना सुशासन का वादा क्या पूरा कर पाई है...? क्या भाजपा सरकार का सुशासन दिवस मनाया जाना सार्थक हुआ है...? शायद नहीं। क्योंकि आए दिन भ्रष्टाचार की खबरें भाजपा सरकार के सुशासन के दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है। यहां चपरासी से लेकर बाबू तक के पास करोड़ों रुपए बरामद हो रहे हैं और जो तथ्य सामने आ रहे हैं उसमें भी आम जनता समझ रही है कि, जितने हैं उनसे कई गुना ज्यादा कैस तो सामने ही नहीं आ पा रहे हैं। ये तो ठीक अब तो ऐसे कैस भी सामने आ रहे हैं जिसमें रक्षक ही भक्षक साबित हो रहे हैं या फिर यू कहे की बागड़ ही खेत खा रही है, तो फिर आम जनता किस पर विश्वास करें...?

क्या है मामला

ताजा मामला भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच करने वाली देश की सबसे बड़ी व विश्वसनीय एजेंसी सीबीआई से जुड़ा हुआ है जो जांच तो भ्रष्टाचार के खिलाफ करती है लेकिन वर्तमान में उसके अधिकारी खुद रिश्वत लेते पकड़े गए और सीबीआई की विश्वनियता पर प्रश्न चिन्ह लगा गए।

एनसीएल में कोयला उत्पादन के लिए लगाई मशीनों के स्पेयर पार्ट्स और कबाड़ में घोटाले की शिकायत की जांच जबलपुर सीबीआई की एसीबी यूनिट कर रही थी। एसीबी ने जांच डीएसपी जय जोसेफ दामले को सोंपी। एनसीएल के अधिकारी सन्देह के घेरे में थे और फ़सने वाले थे, डीएसपी दामले ने पुलिस सब इंस्पेक्टर कमल सिंह के साथ मिलकर भ्रष्टाचार दबाने और जांच रिपोर्ट दोषी अधिकारियों के पक्ष में देने की सॉठ-गाँठ की। जिसमें सिंगरौली के संगम इंजीनियरिंग का डायरेक्टर रवि शंकर मध्यस्ता की भूमिका में था। उसने एनसीएल अधिकारियों से रकम एकत्रित करवाई और डीएसपी तक पहुंचाने का प्लान बनाया। जब इसकी भनक सीबीआई दिल्ली को लगी तो उन्होंने मोबाइल ट्रेस करवाना प्रारंभ किया। 17 अगस्त को उसने दामले को जबलपुर से पकड़ा।

3 महीने में दूसरा मामला

सीबीआई रिश्वत से जुड़ा यह पहला मामला नहीं था। तीन माह पूर्व भी इस तरह का मामला सामने आ चुका है, जब मई 2024 में सीबीआई के डीएसपी आशीष प्रसाद, इंस्पेक्टर राहुल राज, ऋषिकांत असाठे और सुशील कुमार मजोका को गिरफ्तार किया था। ये चारों अधिकारी नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े की जांच कर रहे थे और फर्जी कॉलेज को क्लीन चिट देने के लिए रिश्वत के रूप में एक बड़ी रकम वसूल कर रहे थे। उनके साथ ही 15 अन्य मध्यस्थों को भी गिरफ्तार किया था।

यदि देश की बडी एवं विश्वसनीय जांच एजेंसियां ही इस प्रकार भ्रष्टाचार करने लग जाए तो फिर आम जनता विश्वास किस पर करें...? चोरी से बचाव के लिए आम इंसान फरियाद लेकर पुलिस के पास इस विश्वास के साथ जाता है कि, वहां उसे न्याय मिलेगा लेकिन न्याय के मंदिर में ही जब भेड़िए मिल जाए तो फिर आम जनता कहां जाए...? छोटे-छोटे मामलों के साथ अब तो बात सीबीआई तक पहुंच चुकी है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि, देश में भ्रष्टाचार कितना अधिक बढ़ चुका है। वह भी उस पार्टी के राज में जो सुशासन का वादा करके सरकार में आई है और प्रतिवर्ष सुशासन दिवस मनाती आ रही है। क्या यही सुशासन है...?

विवादीत बयानः जो हाल बांग्लादेश का हुआ वही हाल भारत का करेंगे- राकेश टिकैत

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का एक विवादित बयान सामने आया है। राकेश टिकैत ने एक बयान में कहा है कि, भारत में भी बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात बन रहे है। जिससे यहां भी वैसा ही आंदोलन हो सकता है। टिकैत ने मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि, कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर मीडिया ने जो सक्रियता दिखाई, वैसी मणिपुर की घटनाओं पर नहीं दिखी।

टिकैत यह बातें पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के कार्यालय में बिजली संबंधी शिकायतों को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान कह रहे थे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान साढ़े सात सौ से अधिक किसानों के बलिदान का जिक्र किया और आरोप लगाया कि, केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उनका यह भी कहना था कि, जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा, टिकैत ने बिजली के मुद्दे पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री ने किसानों को निशुल्क बिजली देने की घोषणा की है, लेकिन इसके साथ ट्यूबवेल पर मीटर लगाने की शर्त रखी गई है। टिकैत ने साफ कहा कि किसान ट्यूबवेल पर मीटर नहीं लगने देंगे, और अगर मीटर लगाया गया तो उसे उखाड़कर बिजली कार्यालय में जमा कर दिया जाएगा।

छलका दर्द : किसी ने मरने की कोशिश की तो किसी ने उजागर किए रहस्य

नई दिल्ली, एजेंसी।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के एक इंटर्न ने बताया, 'दूसरे साल तक मेरे नंबर ठीक थे। सब कुछ अच्छा चल रहा था। फिर मैंने हॉस्टल में कॉमन रूम की मांग को लेकर एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इसके बाद मुझे तीसरे साल की परीक्षा में फेल कर दिया गया, हॉस्टल से निकाल दिया गया और सोशली इतना अलग-थलग कर दिया गया कि मैंने खुद को खत्म करने की कोशिश की। अपने साइकेट्री (मनोरोग) वार्ड के एडमिशन पेपर आत्महत्या के प्रयास के दौरान के ट्रीटमेंट कार्ड और अपनी कलाई पर पड़े निशान को दिखाते हुए इंटर्न ने कहा कि वह अभी भी अपना नाम और चेहरा उजागर करने से डरता है। उसने कहा, 'संदीप घोष को भले ही प्रिंसिपल पद से हटा दिया गया हो, लेकिन उनके समर्थक नजर रख रहे हैं। अगर उन्हें पता चल गया कि मैंने बात की है तो वे मेरी क्लियरेंस रुकवा सकते हैं और मेरा करियर बर्बाद कर सकते हैं। लेकिन हम कब तक इस डर में जी सकते हैं?

एक अन्य मेडिकल स्टूडेंट ने कहा, 'दीदी (पीड़िता) के साथ जो हुआ वह हम में से किसी के साथ भी हो सकता था। आरजी कर में संदीप घोष को प्रिंसिपल बनाए रखने का समर्थन करने वालों को ही गोल्ड मेडल या हाउस स्टाफ की भूमिकाएं मिलीं। जिस किसी ने भी थोड़ी भी आवाज उठाई, उसे काम के अनुचित घंटे दिए गए और हर तरह के उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा।मेडिकल स्टूडेंट्स का कहना है कि 9 अगस्त को रेप और मर्डर के बाद संदीप घोष के करीबी लोग छात्रों को विरोध प्रदर्शन शुरू करने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। चेस्ट मेडिसीन विभाग के स्टूडेंट ने कहा, 'ये सीनियर्स आए और उन्होंने फर्स्ट और सेकंड ईयर के जूनियर्स से कहा कि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की कोई जरूरत नहीं है'। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार संदीप घोष का प्रिंसिपल बने रहना क्यों जरूरी था, तो ऑर्थोपेडिक इंटर्न ने कहा, 'जाहिर है कि वो कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे थे। हम छात्र हैं, इसलिए नहीं जानते कि यह ड्रग रैकेट था या सेक्स रैकेट या कुछ और। सीबीआई को हमें यह बताना चाहिए। लेकिन जिस तरह से उनके गुट ने 2021 में एक नए प्रिंसिपल को कार्यभार नहीं संभालने दिया और फिर विरोध करने वाले किसी को भी निशाना बनाया, इससे पता चलता है कि कुछ न कुछ तो छिपाना था।

23 को अमेरिका के दौरे पर राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि, अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी,

लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि, भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

राज्यपाल ने पीड़िता के परिजनों से की मुलाकात

कोलकत्ता।

कोलकाता के आरजी कल मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स और छात्र का विरोध मार्च निकाला। यह मार्च सीबीआई कार्यालय तक निकाला गया। हालांकि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर्स से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया था।

सीएम को पत्र लिखेंगे राज्यपाल

वहीं मृतक महिला डॉक्टर के परिजनों से मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि, मैं दिल्ली से सीधे यहां मृतक के माता-पिता से मिलने और उनकी भावनाओं को समझने आया हूं। उन्होंने मुझे कुछ बातें बताई हैं। मैं उन्हें अभी गोपनीय रखूंगा। मेरे पास जो जानकारी है, उसके आधार पर मैं आज एक पत्र लिखूंगा और उसे सीलबंद लिफाफे में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी को भेजूंगा।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी की शिकार हुई मृतक महिला डॉक्टर के परिवार के सदस्यों से मिलने उत्तर 24 परगना पहुंचे।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, डॉक्टर के साथ जो भयावह घटना हुई, उसके बाद हर कोई बहुत दुखी है, दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं डॉक्टरों से अनुरोध करूंगा कि वे काम पर लौट आएं।

पूर्व प्रिंसिपल के कार की ली तलाशी

पश्चिम बंगालः आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी के मामले की जांच कर रहे सीबीआई अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के कार की गहन तलाशी ली।

मोदी वारसॉ पहुंचे, पोलैंड के भारतीय प्रवासियों का इंतजार हुआ खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पोलैंड के वारसॉ पहुंच चुके हैं। पोलैंड में पीएम मोदी के आगमन को लेकर भारतीय प्रवासियों में खासा उत्साह है। वह 21 से 23 अगस्त तक पोलैंड व यूक्रेन की यात्रा पर रहेंगे। बता दें कि, यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी।

पोलैंड पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, पौलैंड में उतर गया। यहां विभिन्न कार्यक्रमों का इंतजार कर रहा हूं। इस यात्रा से भारत-पोलैंड की मित्रता को गति मिलेगी, जिससे लोगों को लाभ होगा।

पीएम मोदी के आगमन पर पोलैंड में रहने वाले सौरभ गिलितवाला ने कहा, मैं मुंबई से सात साल पहले यहां आया था, पर किसी भी भारतीय पीएम का यहां दौरा नहीं हुआ। मोदी के दौरे को लेकर प्रवासी काफी उत्साहित हैं। निश्चित रूप से उनका दौरा दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करेगा।

पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेन भी जाएंगे। पीएम मोदी 22 अगस्त तक 2 दिवसीय पोलैंड की यात्रा करेंगे। इसके बाद 23 अगस्त को पीएम मोदी युद्ध में झुलस रहे यूक्रेन का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक ट्रेन से यात्रा करेंगे, जिसमें करीब 10 घंटे लगेंगे। वापसी की यात्रा भी लगभग इतनी ही अवधि की होगी। उनकी कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के कुछ सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे। इस दौरान वे यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ विचार साझा करेंगे। पीएम मोदी की यह यात्रा पिछले 45 वर्षों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, 'पोलैंड की मेरी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है।

यात्रा पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, 'लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करती है। मैं, हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिये उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा कि, वे पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

माही की गूंज, खवासा।

गुरुवार 15 अगस्त पर 78 वाँ स्वतंत्रता दिवस ग्राम सहित क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। सुबह स्कूली बच्चों की एक बड़ी प्रभात फेरी करीब 2 किलोमीटर लंबी इंकलाब जिंदाबाद, एक-दो-तीन-चार गांधी जी की जय जयकार, दूध मांगोगे तो खीर देंगे कश्मीर मांगोगे तो चीर देंगे, एक जलेबी तेल में पाकिस्तान जेल में आदि राष्ट्रीय नारों की गूंज के साथ प्रभात फेरी बामनिया मार्ग सीएम राइस स्कूल से निकली जो ग्राम के मुख्य मार्ग से होते हुए ग्राम पंचायत परिसर पर पहुंची। जहां सरपंच श्रीमती गंगाबाई खराड़ी ने तिरंगा फहराया तत्पश्चात जन गण मन का गान किया।

जिसके पश्चात शासकीय कन्या परिसर में ग्राम पंचायत की ओर से मुख्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश चंद्र भट्ट, विशेष अतिथि खवासा के नायब तहसीलदार पलकेश परमार, आनंदीलाल पटेल, रमेश बारिया, प्रेमसिंह चौधरी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती खराड़ी ने की। आयोजन में समस्त स्थानीय शासकीय व अशासकीय विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतिया दी।

अतिथि ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

जिला पत्रकार संघ ईकाई खवासा ने सौजन्य माही की गूंज परिवार द्वारा जिले के पत्रकारिता के पित्र पुरुष श्री यशवंत जी घोड़ावत की स्मृति में 11वाँ प्रतिभा सम्मान में खवासा संकुल क्षेत्र की पांच हाई सेकेंडरी व 11 हाई स्कूल में क्रमशः

मंचासीन अतिथियो ने प्रतिभावान विद्यार्थीयो को सम्मान-पत्र व पारितोषिक का चैक देकर किया सम्मानीत।

नैतिक आचार संहिता का उलंघन कर साहब साइरन बजाते हुए राष्ट्रीय पर्व के मुख्य समारोह परिसर के अंदर अपना वाहन लाकर किया खड़ा, जो भिन्न-भिन्न चर्चा का विषय बना।

प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान मंचासीन अतिथि कैलाश चंद्र भट्ट, नायब तहसीलदार पलकेश परमार, रमेश बारिया, मनोहर बारिया, प्रेमसिंह चौधरी आदि ने किया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 12वीं देवीका पिता देवेंद्र सिंह जादव प्राप्तांक 500 में से 452, 90.4 प्रतिशत सत्य साई कान्वेंट स्कूल, 10वीं में छात्रा मोनीका पिता प्रकाश कटारा प्राप्तांक 500 में से 442, 88.4 प्रतिशत अंक सत्य साई कान्वेंट स्कूल खवासा ने प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर सम्मान-पत्र व ग्यारह सौ ग्यारह रुपये का चेक पारितोशिक के रूप में प्राप्त कर सम्मान प्राप्त किया।

इसी तरह 12वीं की छात्रा सुहानी पिता राजेंद्र पाटीदार प्राप्तांक 500 में से 455 अंक के साथ 91 प्रतिशत सत्य साई कान्वेंट स्कूल ने प्राप्त कर संकुल क्षेत्र में प्रथम एवं जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया एवं कक्षा 10वी में छात्र यशराज सिंह पिता राजेंद्र सिंह नकुम संत तेरेसा स्कूल में प्राप्त अंक 500 में से 444 अंक प्राप्त कर 88.8 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 15 सौ-15 सौ रुपये का पारितोषिक चेक एवं सम्मान पत्र सम्मानीय अतिथियों के कर कमलो से प्राप्त किया।

आयोजन में बच्चों को सभी अतिथियों ने संबोधित किया और आजादी के महत्व को बताया।

एबीवीपी ने भी फहराया झंडा

स्थानीय बस स्टैंड़ पर बजरंग बली मंदिर के पास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के युवाओ ने भी झंडा फहराने का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि माही की गूंज के प्रधान संपादक संजय भटेवरा एवं विशेष अतिथि आंनदीलाल पटेल रहे। बस स्टैंड़ पर परिषद के युवाओ ने देश भक्ति की ललक के साथ उक्त झंडा फहराने का आयोजन किया।

राष्ट्रीय आयोजन स्थल में साहब की एंट्री सायरन बजाकर हुई

राष्ट्रीय पर्व के मुख्य समारोह में प्रत्येक व्यक्ति का बराबर सम्मान का अधिकार होता है। जिसमें चाहे हमारे देश-प्रदेश की संसद में बैठे जनप्रतिनिधि हो या प्रशासनिक अमले के आईएएस, आईपीएस अधिकारी हो या फिर कोई प्रभुत्व व गणमान्य नागरिक हो सभी के लिए एक आचार संहिता रूपी प्रोटोकॉल होता है और उस आचार संहिता का पालन करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व होता है। ऐसे में जब राष्ट्रीय गीतों पर स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय पर्व का मुख्य आयोजन चल रहा था और बच्चे अपनी शानदार प्रस्तुतियां दे रहे थे। इस दौरान एक नायाब तहसीलदार साहब चार पहिया सरकारी वाहन लेकर आयोजन परिसर के अंदर ही गेट से एंट्री करते हुए सरकारी वाहन का सायरन बजाते हुए अंदर आना और साहब द्वारा अपने पद का प्रभुत्व बताना ही राष्ट्रीय पर्व के उक्त आयोजन के दौरान यह कृत्य नैतिक आचार संहिता की अवहेलना करना होता है। यह कृत्य नायब साहब के करने के बाद राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं शिक्षित वर्ग के व्यक्तियो द्वारा साहब के उक्त कृत्य को लेकर भिन्न-भिन्न बात करते नजर आए और यही कहा कि, चाहे विधायक, सांसद या एसपी, कलेक्टर की भी गाड़ी होती तो उन्हें भी नैतिक आचार संहिता का पालन कर अपनी गाड़ी राष्ट्रीय पर्व के मुख्य आयोजन स्थल परिसर के गेट के बाहर ही खड़ी करना होती है। ऐसे में एक समझदार नायब साहब द्वारा ऐसी गलती करना कहा तक उचित है...?

खैर,जब बच्चों को आयोजन के पश्चात मिठाई वितरण की जाना थी उसके पहले नायक साहब को अपनी गाड़ी गेट के बाहर करना ही पड़ी।

विशेष ग्राम सभा हुई संपन्न

माही की गूंज, भामल।

जिला टास्क फॉर समिति की बैठक में लिए गए निर्णय एवं प्रमुख सचिव के आदेश क्रमांक मध्यप्रदेश शासन वन विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक/एफ 25-43/2006/10-3/1424 भोपाल दिनांक 26 जुलाई द्वारा अनुसूचित जाति व अन्य परंपरागत वन निवासी, वन अधिकार की मान्यता अधिनियम 2006 के अंतर्गत 1 ग्रामों में सामुदायिक वन अधिकार का पूर्ण विनिश्चित करने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। वन मंडल जावा अंतर्गत कोई भी वन ग्राम स्थित नहीं होने से कोई भी वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में सपरिवर्तन करने की कार्रवाई नहीं की गई है। परंतु शासन के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकार जैसे रास्ते का अधिकार चरणोंई का अधिकार गोठान, धार्मिक स्थल शमशान घाट, मडई मेल, खेल मैदान सामुदायिक हाट जलाश्य के पानी का उपयोग का अधिकार जैसे सामुदायिक दावो हेतु कोई गांव अथवा ग्राम पंचायत छूट गए हैं। तो कृपया पत्र में वर्णित सामुदायिक दावों के आवेदन प्राप्त करने हेतु विशेष ग्राम सभा बुधवार को रखी गई। जिसमें सागवान क्लस्टर व खवासा की क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली जितनी भी पंचायत हैं वहां सभी जगह पंचायत में वन अधिकार क्षेत्र से जुड़ी जानकारियां ग्रामीणों को उपलब्ध कराई, जिसमें विशेष ग्राम सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। भामल, रन्नी, परवाडा, खवासा आदि जगह विशेष ग्राम सभा का आयोजन हुआ जिसमे भामल मे उपस्थित ग्राम पंचायत के सचिव, सरपंच, वन विभाग के अधिकारी के साथ ही ग्रामीण उपस्थित थे।

पेड़ पर झूलता मिला युवक का शव

माही की गूंज, बामनिया।

मेला ग्राउंड निवासी बबलू थावरिया रोज की तरह अपने खेत पर गया था। परिजन को दोपहर में अचानक खबर मिली कि, बबलू उनके ही खेत पर बबूल के पेड़ पर फंदे से लटका हुआ है। जब परिजन वहाँ पहुँचे तो उन्होंने पाया कि, बबलू मृत अवस्था मे है। बामनिया पुलिस भी सूचना मिलने पर मोके पर पहुँची। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

रक्षाबंधन पर रहा उत्साह का माहौल

माही की गूंज, सारंगी।

भाई-बहन के पवित्र बंधन रक्षाबंधन पर्व को बड़े ही उत्साह से मनाया गया। पर्व को लेकर बाजार में राखी, मिठाइयों की दुकानों सहित कपड़ा मार्केट के साड़ी की दुकानों पर खांसी भीड़ रही। भारतीय संस्कृति के अनुसार रक्षाबंधन का त्यौहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बंधन बांधती है। रक्षाबंधन में राखी या रक्षा सूत्र का सबसे अधिक महत्व राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे रेशमी धागे तथा सोने या चांदी जैसी महंगी धातु की भी बहने अपने भाई के लिए राखी लेकर आती है। रक्षाबंधन भाई बहन के रिश्ते का प्रसिद्ध त्योहार है रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहने भगवान से अपने भाइयों की तरकी के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। राखी ब्राह्मण, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित संबंधियों जैसे पुत्री द्वारा पिता को भी बांधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते हैं। राखी बांधने के बाद बहने अपने भाई की लंबी आयु की कामना करती है।

78 वाँ स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मना पर स्थानीय एकीकृत शाला में समस्याओं का अंबार आज भी

माही की गूंज, बनी।
ऋषभ गुप्ता

78 वाँ स्वतंत्रता दिवस आजादी का पर्व सभी शासकीय-अशासकीय कार्यालय पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पंचायत कार्यालय पर गांव की सरपंच नानुडी बाई मचार द्वारा झंडा फहराया गया, इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिक और पंचगण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एकीकृत विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा ग्राम में प्रभात फेरी निकालकर वीर शहीद की शहादत का सम्मान किया और ओजस्वी नारे लगाए। तत्पश्चात बच्चों के द्वारा स्कूल प्रांगण में पहुंचकर कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गीत, भाषण, कविता की प्रस्तुति दी। बच्चों की प्रस्तुति पर गांव के सरपंच, जनपद प्रतिनिधि, पटेल के द्वारा बच्चों को प्रोत्साहन राशि नगद दी गई। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ झाबुआ के हरिओम शर्मा द्वारा भी सभी बच्चों को नगद राशि देकर प्रोत्साहित किया। बाद में बच्चों को मध्यान भोजन और मिठाई देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

एकीकृत शाला में समस्या

स्थानीय एकीकृत शाला में जब प्रत्यक्ष पहुंच कर देखा तो कई समस्या देखने को मिली। जिन स्कूलों में देश का भविष्य गढ़ा जाता है उन स्कूलों की हालत देखकर ऐसा लगता है कि, अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत चरितार्थ होती दिखाई दे रही है।

एकीकृत शाला में कक्षा एक से आठवीं तक बच्चे अध्यन करते हैं। मगर उन्हे पढ़ाने के लिए पर्याप्त स्टाफ भी नहीं है और बच्चों और स्कूल की सुरक्षा के मद्देनजर बात की जाए तो स्कूल परिसर की पूरी बाउंड्री टूटी हुई है, जिस वजह से असमाजिक तत्व आसानी से स्कूल परिसर में पहुंचकर अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। तथा स्कूल के रास्ते में अतिक्रमण की बात करें तो इतना ज्यादा अतिक्रमण कर रखा है कि, कई लोगों ने रास्ते में पशु बांध रखे हैं, तो घर के आंगन के ओटले रोड से मिला दिए। और तो और स्कूल जाने का मुख्य मार्ग पर गटर का गंदा पानी बहता है और इसी मार्ग से रोजाना बच्चे आवागमन करते हैं। बच्चों के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम स्थल पर टेंट की व्यवस्था न होना भी वरिष्ठों के मन में एक सवाल खड़ा करता है इस पर चर्चा करते हुए वार्ड क्रमांक 2 के पंच जीवनलाल पाटीदार और सुरेश पाटीदार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, यदि दो टेंट लग जाते तो स्वतंत्रता दिवस का आनंद और अधिक बढ़ जाता और बच्चों को गर्मी से राहत मिलती।

बाउंड्रीवॉल के बारे में वर्तमान सरपंच पति, पूर्व सरपंच और सचिव का कहना है कि, वर्तमान सरकार ने हमारे खाते में पैसा देना बंद कर दिया है, नहीं तो हम बाउंड्रीवॉल तैयार कर देते। उक्त बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हुए 2 वर्ष से अधिक हो चुके है, पर फंड के अभाव में कार्य नही कर रहे है।

एक ही दिन में मौसम ने बदले तीन रंग, उमस, मौसम में ठंडक और बूंदाबांदी

मंगलवार को आकाश में बादलों का लगा जमघट, तेज बरसात होने की उम्मीद थी हल्की बूंदाबांदी ही होकर रह गई

माही की गूंज, बरवेट।

पिछले कुछ दिनों से लगातार गर्मी से तंग कर रहा मौसम मंगलवार को तीन रंग में नजर आया। दिन की शुरुआत ही तेजधुप ओर उमस भरी गर्मी से हुई। अल सुबह ही लोग पसीने में तरबतर नजर आए। दोपहर में उमस चरम पर रही, तो शाम आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल दिया और देखते ही देखते ठंडी हवा चलने लगी। आसमान में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज ठंडी हवाएं चलने से उमस से राहत मिली, और थोड़ी देर बाद बूंदाबांदी होने लगी। जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई।

गौरतलब है कि, पिछले एक सप्ताह से बरसात नही होने एवं तेज धूप निकलने से लोग गर्मी से परेशान हो गए थे। बारिश के लिए लोग प्रार्थना तक करने लगे। प्रार्थनाओं का कितना असर पड़ा, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन मंगलवार को मौसम ने एक ही दिन में तीन रंग जरूर दिखा दिए। उसके संकेत पिछले तीन-चार दिनों से दिखने लगा था। तापमान

अपेक्षाकृत कम ओर उमस वाली गर्मी ज्यादा महसूस हो रही थी। बादल भी छाए हुए थे। हालांकि, बारिश की कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी। लेकिन मंगलवार शाम को करीब साढ़े चार बजे आकाश में बादलों का जमघट लगा ओर साढ़े पांच बजे के लगभग ठंडी हवा के साथ बूंदाबांदी होने लगी। कयास ये लगाए जा रहे थे कि, रात्रि में मूसलाधार बारिश होगी लेकिन नही हुई, जिस हिसाब से मौसम बना था उस हिसाब से बरसात नही हुई और हल्की बूंदाबांदी होकर रह गई। लेकिन बुधवार की देर शाम तक मोसम ने करवट बदली और थोडी बारिश होने पर किसान जो चिंतित नजर आ रहे थे उनके चेहरे पर थोडी खुशहाली देखने को मिली।

एक नजर में बरसात के हाल

बरसात के मौसम को आज 70 दीन हो गए है। लेकिन अभी तक सामान्य से कम बारिस दर्ज हुई है। इस वर्ष अब तक 509 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष 540 मिलीमीटर दर्ज की गई थी। अभी भी जिले की ओसत से भी कम बरसात हुई है। जिले की ओसत वर्षा का आंकड़ा 787 मिलीमीटर के लगभग है। उस आंकड़े तक पहुचने के लिए 278 मिलीमीटर बारिस कम पड़ रही है।

विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

माही की गूंज, थांदला।

अणु पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के लिए इस बार रक्षाबंधन का त्योहार अनूठा व यादगार बना, शिक्षा, खेलकूद व कला के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले चार विद्यार्थियों की टीम प्राचार्य प्रमोद नायर एंव संध्या नायर के नेतृत्व में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली। बच्चों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के साथ त्योहार मनाया व खुशियां साझा की, राष्ट्रपति को राखियां व विद्यालय की और से पेंटिंग एवं क्षेत्र सुप्रसिद्ध परंपरागत ÷आदिवासी गुड़िया÷ जो कि शक्ति एम्पोरियम(गिड़वानी परिवार) झाबुआ द्वारा निर्मित की जाती है एवं झाबुआ का प्रतीक चिन्ह है, उपहार स्वरूप भेंट की। राष्ट्रपति भवन से स्वीकृति व आमंत्रण के बाद टीम राष्ट्रपति भवन पहुंची थी। टीम में प्राचार्य के अलावा रुद्र भुरीया, कक्षा दसवी, न्यासा भुरीया, अनन्या परस्ते एवं भव्य बामनिया शामिल थे।

यादगार अनुभव

राष्ट्रपति के साथ रक्षाबंधन का उत्साह साझा कर मंगलवार को लौटे विद्यार्थियों में अपार खुशी है। बच्चों ने प्राचार्य प्रमोद नायर को पुष्पगुच्छ भेंटकर सुखद अवसर देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। छात्रा अनन्या परस्ते ने कहा कि, वह टीवी पर राष्ट्रपति और राष्ट्रपति भवन को देखा करती थी। पहली बार वहां पहुंचना व महामहिम से मिलना उसके लिए जीवन का यादगार पल है। छात्रा न्यासा भुरीया ने कहा कि, इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर पहुंचना, वह कभी नहीं भूलेगी। छात्र रुद्र भुरीया व भव्य बामनिया ने भी कहा कि, उन्हें अच्छा लग रहा है। राष्ट्रपति से मिलना और उनसे बातें करना उनके लिए बहुत बड़ी बात है।

यह एक लाइफटाइम अचीवमेंट

प्राचार्य प्रमोद नायर ने कहा कि, रक्षाबंधन का त्यौहार राष्ट्रपति के साथ मनाना पूरे अणु पब्लिक परिवार के लिए एक लाइफटाइम अचीवमेंट है। राष्ट्रपति को देखना तक बहुत बड़ी बात होती है और हमारे विद्यार्थियों ने उनके साथ राखी की खुशियां साझा कीं, उनसे बातें कीं और तस्वीरें भी खिंचवाईं। यह अत्यंत ही गर्व का विषय और जीवन में कभी न भूलने वाला चिरस्मरणीय अनुभव है। इससे विद्यार्थी प्रेरित और प्रोत्साहित हुए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान इस स्मृति पर चर्चा हुई। प्राचार्य प्रमोद नायर ने इसकी चर्चा की एवं महामहिम ने प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति ने इस दौरान बच्चों से बात की उन्हें बेहतर करने के लिए प्रेरित किया।

श्रावण पूर्णिमा पर हुआ आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को विप्रवर द्वारा उत्सव के समान मनाया गया। इस दिन सभी ब्राह्मण श्रावणी कर्म विधि-विधान पूर्वक अपनी अनुकूल स्थान का चयन कर इस पर्व को मनाते हैं। इसी क्रम में नगर के तीन स्थानों पर श्रावणी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नगर के गुरुद्वारा, अंबिकेश्वर महादेव मंदिर, और घोड़ा कुण्ड रामजी मंदिर में यज्ञोपवीत संस्कार का कार्यक्रम हुआ। गुरुद्वारा में पंडित रवि शास्त्री आचार्य द्वारा श्रावणी कर्म विधि का आयोजन किया गया। घोड़ा कुण्ड पर योगेंद्र कुमार मोड, और रामजी मंदिर में बालमुकुंद आचार्य के सानिध्य में ब्राह्मण और विभिन्न वर्ग के योग्य पवित्र धारी ने विधि-विधान पूर्वक यज्ञोपवीत परिवर्तन का कार्य किया।

कार्यक्रम की शुरुआत हिमाद्रि संकल्प श्रवण के साथ 10 विधि स्नान से हुई, जिसमें स्मृति का गोबर, गोमूत्र, पंचगव्य, धान, फल, स्वर्ण, कुशोदक आदि विभिन्न प्रकार के वस्तुओं और पदार्थों से वैदिक मंत्रों के साथ अभिमंत्रित कर स्नान किया गया। इसके बाद जनेऊ के अभिमंत्रण का कार्य हुआ। संध्या उपासना और गायत्री मंत्र जाप का कार्य भी किया गया। देव, ऋषि, मनुष्य और पितृ तर्पण का कार्य भी संपन्न हुआ। इसके बाद ऋषि पूजन और आरती का कार्यक्रम हुआ।

श्रावणी कर्म के पश्चात पंडित रवि आचार्य और योगेंद्र मोड ने बताया कि, इसी दिन ब्रह्मा ने संकल्प के साथ सृष्टि विस्तार किया था। जनेऊ परिवर्तन हेतु नदी तट पर तीर्थ आव्हान के साथ ही श्रावणी संकल्प लिया जाता है, जिससे 24 बुराईयों से बचने की प्रेरणा मिलती है। पंडितों ने कहा कि, यदि पद्मावती का शुद्धिकरण होकर घाटों का सही निर्माण हो जाए, तो अगले वर्ष सभी ब्राह्मण पद्मावती तट पर ही यज्ञोपवीत संस्कार का कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

तपस्या कर्मों को तपाकर नष्ट कर देती है

माही की गूंज, पेटलावद।

चातुर्मास का पहला मास खमण 31 उपवास के साथ सलोनी अंकित श्रीमाल ने संपन्न किया। उनके सम्मान में बिना किसी आडंबर के निजी निवास स्थान से परिजनों व श्री संघ के सदस्यों व मंडलो ने जय कारा यात्रा निकाली, जो स्थानक भवन पर आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर साध्वी श्री सुव्रता जी ने श्री संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए कहा, साधन के बिना साधना संभव ही नहीं है। मनुष्य शरीर तपस्या का श्रेष्ठ साधन है। सम्यक ज्ञान श्रद्धा संयम के साथ तप जुड़ जाए तो कर्म शीघ्र ही कट जाते हैं और जीव मोक्ष को प्राप्त कर लेता है। भगवान महावीर हो या गौतम स्वामी सभी ने तप के माध्यम से ही केवल ज्ञान को प्राप्त कर अपना मानव भव सार्थक कर मोक्ष को प्राप्त किया। उत्कृष्ट तप से जब चरित्र जुड़ जाता है तो आत्मा शीघ्र मोक्ष प्राप्त कर लेती है। तपस्या कर्मों को तपाकर नष्ट कर देती है। तप ही कर्मक्षय करने का श्रेष्ठ साधन है। तपस्वी सलोनी बहन ने असाता होते हुए भी 31 दिन की यह कठिन तप आराधना कर अपने विपुल कर्मों को क्षय कर लिया है। उनकी इस तपस्या को संपन्न करने में परिवार का भी अमूल्य सहयोग रहा है। सभी की बहुत-बहुत अनुमोदना। साध्वी श्री शिल्पा जी ने कहा देह का अधूरा दर्शन राग जगाता है। पूरे देह का दर्शन व्यक्ति में वैराग जगाता है। एल्बम देखने में आनंद आता है पर एक्सरे जी हारर शो जैसा लगता है। जबकि एक्स-रे हकीकत है और एल्बम छलावा है। शरीर से राग मत रखो एक दिन यह राख के ढेर में बदल जाएगा।

तपस्या का बहुमान तपस्या से किया गया

सह कोषाध्यक्ष संतोष गुजराती ने 16 से तो सासु मां श्रीमती उर्मिला श्रीमाल ने 11 उपवास की बोली से तपस्वी श्रीमती सलोनी का श्री संघ की ओर से सम्मान किया। अभिनंदन पत्र अध्यक्ष पदाधिकारियों, वरिष्ठ जनो द्वार भेंट किया गया। प्रभावना व चौवीसी का आयोजन अनिल कुमार, अंकित कुमार श्री श्रीमद् की ओर से किया गया।

आयोजन में श्री संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष मणिलाल चाणोदीया, उपाध्यक्ष महेंद्र कटकानी, सचिव विनोद बाफना, अखिल भारतीय धर्म दास युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज जैन, गण परिषद के कोषाध्यक्ष नरेंद्र मोदी, महिला मंडल अध्यक्ष आशा भंडारी, बहू मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता मेहता, श्री संघ के पूर्व अध्यक्ष अनोखी लाल मेहता, नरेंद्र कटकानी, डूंगर प्रातं चंदना श्राविका संगठन की अध्यक्ष खुशबु कटकानी, उपाध्यक्ष मधु मेहता अनिल व अंकित श्रीमाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अंकित मुरार, अनूप मेहता, दीपक सोलंकी, चेतन कटकानी आदि कई पदाधिकारी व श्री संघ के श्रावक श्राविका उपस्थित थे। संचालन व वाचन राजेंद्र कटकानी ने किया।

जिला सहकारी बैंक रतलाम की 75 वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

माही की गूंज, रतलाम।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम की 75 वीं साधारण सभा गत दिनों कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक राजेश बाथम की अध्यक्षता में नवीन कलेक्टोरेट परिसर में सम्पन्न हुई।

जिसमें कलेक्टर द्वारा बैंक की प्रगति का प्रतिवेदन सम्माननीय सदस्यों के समक्ष रखा गया। बैंक के महाप्रबंधक आलोक कुमार जैन द्वारा बैंक का वार्षिक लेखा-जोखा तथा वर्ष 2025-26 की कार्य योजना प्रस्तुत की गई, जिसमें ऋण वितरण हेतु रू 90000 लाख का, अमानतों हेतु रू 100000 लाख एवं वसूली हेतु रू 90 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया। श्री जैन द्वारा बताया गया कि इस वर्ष बैंक द्वारा 433.61 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। बैंक की वर्तमान अंश पूंजी 4668.41 लाख एवं अमानतें 67247.67 लाख तथा बैंक की कार्यशील पूंजी 107159.74 लाख है। इस वर्ष बैंक की वसूली 79.15 प्रतिशत रही है।

बैंक का एन.पी.ए. विगत वर्ष में 11.05 प्रतिशत था जिसे बैंक कर्मचारियों के सतत प्रयास से कम किया जाकर 5.88 प्रतिशत के स्तर पर लाया गया है।बैंक द्वारा अपनी अंशधारी संस्थाओं को 1.60 प्रतिशत लाभांश वितरण किए जाने की घोषणा की गई है। बैंक द्वारा इस वर्ष भी सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। बैंक प्रदेश के चुनिंदा सफल सहकारी बैंकों में होकर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

जैन द्वारा बताया कि बैंक द्वारा अमानतों पर सर्वाधिक ब्याज दर 7.35 प्रतिशत 01 फरवरी 2023 से लागू की गई है तथा वरिष्ठ नागरिकों को 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ दिया जा रहा है। आमसभा को बैंक प्रतिनिधि देवेन्द्र कुमार शर्मा, सत्यनारायण झाला, सूर्यनारायण उपाध्याय, सोभागमल कोठारी ने संबोधित कर बैंक का एनपीए कम किए जाने पर प्रशंसा की तथा अपने सुझाव दिए। आमसभा में उपायुक्त सहकारिता एसके सिंह तथा बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वन विभाग परिसर में हुआ ध्वजारोहण

माही की गूंज, थांदला।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर थांदला स्थित वन विभाग परिसर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। इस खास मौके पर वन विभाग के रेंजर, दिनेश कुमार मौर्य ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और सभी उपस्थित कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान और परेड से हुई, जिसमें वन विभाग के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और देश के प्रति सम्मान और गर्व का इज़हार किया। इसके साथ ही, एक महत्वपूर्ण शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की। उन्होंने संकल्प लिया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में भी वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर विभाग के प्रमुख अधिकारियों में उपवनक्षेत्रपाल कोमल सिंह डिंडोर, वनपाल दलसिंह गणावा, नाथूलाल भूरिया, राकेश बामनिया, और राकेश परमार शामिल हुए। अन्य विभागीय स्टाफ में तारसिंह बाबर, कम सुदामा, वनरक्षक बबीता बामनिया, सुमित्रा डामोर, वनपाल संगीता चौहान, वनरक्षक आरिफ खान, और मुकेश निनामा भी मौजूद थे।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और विभाग में मिठाई बांटी। इस समारोह ने न केवल स्वतंत्रता दिवस की महत्ता को उजागर किया बल्कि वन विभाग की पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को भी दर्शाया।

कार्यक्रम के समापन पर, वन विभाग ने पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी योजनाओं और प्रयासों को दोहराया, और सभी को इसे अपने दैनिक कार्यों में प्राथमिकता देने की प्रेरणा दी। यह आयोजन वन विभाग के कर्मचारियों के लिए एक नया उत्साह और समर्पण लेकर आया, जो पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को और भी मजबूती से निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

जनजाति विकास मंच की तहसील बैठक सम्पपन

जन्माष्टमी के अवसर पर होगा अनूठा आयोजन, दिखेंगी बांसुरी वादकों की कलाकारी

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय कृषि उपज मंडी में जनजाति विकास मंच पेटलावद की तहसील स्तरीय बैठक संपन्न हुई, जिसमें आगामी 26 अगस्त जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर बांसुरी वादन कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में विशेष रुप से जिला कार्यकारणी सदस्य गौरसिंह कटारा विशेष रूप से उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, हमारे समाज के ग्वाले जब गाय बैल चराने जाते थे तो साथ में बांसुरी लेकर जाते थे तथा दिन भर आनंदपूर्वक जीवन जीते थे। लेकिन वर्तमान में यह सब भूलते जा रहे हैं इसलिए हमें सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम को आयोजित करना है तथा अधिक से अधिक बांसुरी वादन प्रेमी इस कार्यक्रम में भाग ले ऐसा सभी से आग्रह किया। तत्पश्चात पेटलावद खंड संयोजक सुरसिंह मीणा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रत्येक गांव में बड़े बुजुर्ग लोग बड़े ही शौक से बांसुरी बजाते हैं वह भी कहीं ना कहीं अवसर न मिलने के कारण अपने शौक को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त नहीं हो पाता है। इसलिए प्रत्येक गांव में सभी बांसुरी प्रेमी को सूचना करके इस कार्यक्रम में सहभागी हेतु सूचित करें। इस अवसर पर जनजाति विकास मंच के पेटलावद खंड संयोजक सुरसिंह मीणा, रायपुरिया खंड संयोजक कैलाश भूरिया, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र राणा, अरूण सिंगाड़, राहुल परमार, कैलाश चारेल, विक्रम गरवाल, कैलाश डामर, जवाहर कटारा, राजेश मैडा आदि अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

आत्मरक्षा का संकल्प ही रक्षाबंधन का महत्व

माही की गूंज, थांदला।

लौकिक और लोकोत्तर, इन दो प्रकार के पर्वों में रक्षाबंधन लौकिक पर्व है। प्राचीन काल से ही इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती आ रही है और भाई बहन की रक्षा का वचन देता आ रहा है। इस पर्व की शुरुआत को लेकर अनेक कथाएँ प्रचलित हैं, पर मूल में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति रक्षा के भाव ही होते हैं। उक्त बातें धर्म सभा को संबोधित करते हुए अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी म.सा. ने कही।

पूज्यश्री ने कहा कि यह तो लौकिक पर्व है, पर इस पर्व की भी अपनी विशेषता है। ऐसे में यदि कोई भाई किसी भी एक बहन की रक्षा कर लेता है तो इस पर्व की सार्थकता है। धर्म दृष्टि से एक कथा प्रचलित है जब छः खण्ड के अधिपति महा पद्मनाभ चक्रवर्ती किसी बात से खुश होकर अपने मंत्री नमुचि को 7 दिन के लिए राजा बना देते हैं। ऐसे में नमुचि सत्ता का दुरुपयोग करते हुए जैन मुनियों पर द्वेष रखते हुए उन्हें राज्य से निष्कासित कर देते हैं। यह बात चक्रवर्ती राजा के भाई विष्णु मुनि को पता चलती है, तब वे नमुचि के पास आते हैं और तीन पैर भूमि मांगते हैं। वैक्रिय शरीर बनाकर दो पैर में आकाश और पाताल नाप लेते हैं, तब तीसरा पैर नमुचि के सिर पर रखते हैं। इस प्रकार नमुचि को अपनी गलती का एहसास होता है और उसे क्षमा कर देते हैं। इस तरह विष्णु मुनि ने धर्म की रक्षा करते हुए जैन मुनियों की जान बचाई। इसी तरह धर्म की रक्षा का संकल्प इस पर्व की सार्थकता है।

पूज्यश्री ने कहा कि राग के पर्व पर वैराग्य के भाव ग्रहण करें, जैसे अपनी आत्मा समान सभी को समझें और आत्मरक्षा के लिए छःकाय जीवों की रक्षा का प्रयास करें। तभी लौकिक पर्व भी आत्मोत्कर्ष के पर्व बन सकते हैं।

तपस्वियों की गतिविधियाँ

मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री आदित्यमुनिजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीव रक्षा के भाव पर्व को महत्वपूर्ण बनाते हैं। यही से वह धर्म में प्रवेश पाता है। पूज्यश्री ने धार्मिक जीवों की विशेषता पर प्रवचन फरमाते हुए उनके सौम्यता रूपी गुण का विवेचन फरमाया। पूज्यश्री ने कहा कि हँसना मोहनीय कर्म की प्रकृति है और कर्म बंध का कारण है, जबकि प्रसन्नता आत्मा का स्वभाव है। मन की प्रसन्नता धर्म में प्रवेश पाने पर ही कायम रहती है। इसलिए इस स्वाभाविक दशा को आत्मसात करें, तभी हम सुखी बनेंगे।

थांदला नगर में तपस्या की बहार आई हुई है। अणु बगिया मासक्षमण, श्रेणी तप, लघु सर्वतो भद्र तप, सिद्धि तप और वर्षीतप आदि विविध तप से महक रही है। आज की धर्म सभा में बाल तपस्वी भविक विवेक चौधरी और फेंक कुशाग्र चौधरी ने 4 उपवास किए। 71 वर्षीतप आराधकों ने उपवास किए, और लगभग 55 सिद्धि तपस्वियों ने छठ के तेले तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। प्रांजल जिनेन्द्र लोढ़ा, अंकित भरत भंसाली, प्रदीप चंपालाल व्होरा, कु प्रिया महेश व्होरा, श्रीमती दीपा गौरव शाहजी ने दीर्घ मासक्षमण (31 उपवास) के प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

पुखराज बहन व्होरा ने श्रेणी तप, और किरण बहन छाजेड़ ने लघु सर्वतो भद्र तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। अन्य तपस्वियों ने भी विविध तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। उल्लेखनीय है कि जिन शासन गौरव पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. ÷अणु÷ के दिव्य आशीर्वाद और वर्तमान प्रवर्तक पूज्य श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा - 4 और मधुर व्याख्यानी पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा - 4 के पावन सानिध्य में धर्म धरा थांदला में तपस्या के ठाठ लगे हुए हैं।

अभी तक स्वीटी मनीज जैन (33), श्रीमती प्रेरणा आयुष व्होरा (31), श्रीमती सपना प्रदीप व्होरा (30) के मासक्षमण पूर्ण हो चुके हैं। 5 तपस्वियों ने भी मासक्षमण के प्रत्याख्यान ग्रहण किए, जबकि राजेन्द्र श्रीमाल और अशोक तलेरा ने 23 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण कर मासक्षमण के भाव स्पष्ट कर दिए हैं। सभी तप आराधकों के निमित्त संघ द्वारा जयकार यात्रा निकाली जा रही है। रिश्तेदार और परिवार द्वारा चौवीसी, प्रभावना और स्वधर्मी वात्सल्य का लाभ लिया जा रहा है। श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली और सचिव प्रदीप गादिया ने भी इस वर्षावास को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी सदस्यों से ज्ञान, दर्शन, और चारित्र की आराधना के साथ तपस्या की भेंट देने का आग्रह किया है।

संपादकीय

यू टर्न

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वछंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं।

बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी, जब सीधी भर्तियों के लिये विज्ञापन दिए गए थे। ये नियुक्तियां अनुबंध पर तीन से पांच साल के लिये की गई। लेकिन नियुक्तियों की संख्या कम होने के कारण विवाद नहीं उठा था। इन पदों के लिये राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र में इस पद से जुड़ा अनुभव रखने वाले लोग आवेदन कर सकते हैं। तर्क दिया गया कि ये नियुक्तियां डेप्यूटेशन जैसी हैं, जिसमें आरक्षण अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इस मुद्दे के विरोध के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, राजग सरकार ने भी आरक्षण विरोधी छवि बनने की आशंका के बीच इस फैसले से हाथ खींचा है। बहरहाल, प्रशासनिक व्यवस्था में विषय विशेषज्ञों का जुड़ना अच्छी बात है लेकिन इस प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता की जरूरत है।

कार्य स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों से कोलकाता में एक महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या चर्चा में है। इसे कोलकाता का निर्भया कांड कहा जा रहा है। निर्भया की दुष्कर्म और हिंसक मारपीट के बाद सिंगापुर के अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। इस डाक्टर के साथ अपराध वहां किए गए हैं, जहां वह काम करती थी। क्यों सड़कें, घर, अस्पताल, दफ्तर, महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। निर्भया कांड के बाद दिल्ली में तेज आंदोलन हुआ था। उस समय सारा विपक्ष निर्भया के समर्थन में उतर आया था। और एक बेहद गरिमामय मुख्यमंत्री शीला दीक्षित चुनाव हार गई थीं। लेकिन कोलकाता के केस में ममता बनर्जी की सरकार और विपक्ष का बड़ा तबका अगर-मगर कर रहा है। देशभर में डाक्टरों के स्वतः स्फूर्त आंदोलनों को केंद्र की सत्ताधारी पार्टी से जोड़ा जा रहा है। यहां तक कि डाक्टरों को बीजेपी का सपोर्टर बताया जा रहा है।

कितने अफसोस की बात है कि शीला दीक्षित को तो बार-बार इस छड़ी से पीटा गया था कि एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में ऐसा हुआ। उन्हें निर्भया को श्रद्धांजलि देने तक से रोक दिया गया था। लेकिन बंगाल के मामले में लोगों ने चुप्पी साध रखी है। यही नहीं, निर्भया के बारे में जो तर्क दिए गए थे कि वह इतनी रात बाहर निकली ही क्यों थी। जैसे कि लड़कियां रात में बाहर निकलेंगी तो पुरुषों को यह अधिकार मिल जाएगा कि उनके साथ कुछ भी करो। दुष्कर्म करो, उन्हें मार डालो। कोलकाता में भी ऐसे ही तर्क सत्ताधारी दल के द्वारा दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वह लड़की सेमिनार रूम में उस वक्त क्या कर रही थी।

अपराधी से कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे कि वह वहां क्या करने गया था। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि यह मामला मानव अंगों की तस्करी से जुड़ा है। इसमें बहुत से लोग शामिल हैं। महिला डाक्टर को इस बारे में पता चल गया था, वह इसकी शिकायत भी करना चाहती थी, इसलिए उसे खत्म कर दिया गया। सच जो भी हो, लेकिन एक स्त्री ने वहां जान गंवाई है, जहां वह काम करती थी। आखिर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की क्यों नहीं थी। उसके माता-पिता को तीन घंटे तक उसके शव को क्यों नहीं देखने दिया गया। अज्ञात लोगों ने बड़ी संख्या में आकर अस्पताल में तोड़-फोड़ क्यों की। बहुत से सवाल हैं जो अनुत्तरित हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ कोलकाता के सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से हो रही है।

क्या सचमुच हमारे राजनेता, जिनमें स्त्री हों या पुरुष, अपनी-अपनी सत्ता बचाने के लिए इतने अमानवीय हो गए हैं। औरतें सहज शिकार हैं और उनसे कोई सहानुभूति भी नहीं। निर्भया कांड के बाद नए रेप कानून की मांग की गई थी कि उसे इतना कठोर बनाया जाए कि अपराधियों की रूह कांपे। कानून बना, मगर ऐसा हो नहीं सका है। सोचें कि जब पढ़ी-लिखी स्त्रियों के साथ सरेआम ऐसा हो रहा है, तो उन गरीब स्त्रियों का क्या, जिनकी पहुंच न पुलिस तक होती है, न कानून तक। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों की पोस्ट पढ़कर तो लगता है कि ये भी इंसान कहलाने के लायक नहीं।

एक आम तर्क यह दिया जा रहा है कि कोलकाता पर बोलने वाले उत्तराखंड के दुष्कर्म पर क्यों नहीं बोले, मणिपुर पर क्यों चुप रहे। मान लीजिए कि कोई उस वक्त नहीं बोला, तो क्या इस वक्त उसने अपने बोलने के अधिकार को किसी के पास गिरवी रख दिया कि जब आपकी राजनीति को सूट करे तब आपसे पूछकर कोई बोले।

देश में इन दिनों या तो आप पक्ष में हो सकते हैं, या विपक्ष में। बीच की वह रेखा मिटा दी गई है जहां जब कोई दल अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ की जाए और बुरा करे तो निंदा।

आखिर काम-काज की जगह पर स्त्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से क्यों बचना चाहिए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है, तो इस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या महिला और महिला के दुष्कर्म में फर्क होता है। महिलाओं के प्रति अपराध कहीं भी हों, देश में किसी भी सत्ताधारी दल की सरकार हो, वह निंदनीय है। लेकिन उंगली अक्सर दूसरे की तरफ ही उठती है।

दफ्तरों में यौन प्रताड़ना की निगरानी करने वाली कमेटियां सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर महिला सुरक्षा के लिए ही बनाई गई थीं। क्या कोलकाता की डाक्टर के साथ हुआ अपराध इस श्रेणी में नहीं आता। दिल्ली में जब एक महिला की घर से कुछ दूर रात में हत्या कर दी गई थी, तब से यह कानून बनाया गया था कि रात में जो कैब महिला को छोड़ने जाएगी, वहां उसके साथ दफ्तर का कोई आदमी होगा, जो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यही नहीं, जब तक महिला अपने घर के अंदर नहीं चली जाएगी, तब तक कैब वहां से नहीं जाएगी। डाक्टर जो बहत्तर-बहत्तर घंटे ड्यूटी करते हैं, उन्हें सड़क पर तो छोड़िए, अपने काम-काज के स्थान पर सुरक्षा न मिले तो यह कितनी खतरनाक बात है। बहुत-सी महिला डाक्टरों के बयान इस लेखिका ने पढ़े और सुने हैं। उनमें यही चिंता झलक रही थी। लेकिन कुछ दल और उनके समर्थकों को इससे क्या। वे इन महिला डाक्टरों के बयानों से आंखें मूंदकर, ममता बनर्जी का पक्ष लेते रहे।

चुनावों से पहले जब हमारे देश के अधिकांश दल अपने-अपने घोषणापत्रों में महिला सुरक्षा के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उनका क्या फायदा, जब किसी ऐसे अवसर पर आप अपने-अपने दल का मुंह ताकते हुए बयानबाजी करें। अपनी कुर्सी की खातिर किसी अपराध को अपराध कहने से बचें। और वे बुद्धिजीवी जो इस लड़की की निर्मम हत्या पर आंखें मूंदे हैं क्योंकि यह उनकी राजनीति के पक्ष में नहीं जाता, आखिर उन्हें कौन-सा इलेक्शन लड़ना है। वोट की चिंता करनी है। लेकिन पिछले कुछ सालों से जिसे सच कहते हैं, उसका इतना पतन हुआ है कि कोई सच भी बोल रहा हो तो बहुत से लोग अपने-अपने हितों को देखकर उसे झूठ साबित करने पर लग जाते हैं।

महिला डाक्टर की हत्या के मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया है। सीबीआई जांच में जो कुछ भी पाए, वह लड़की जिसके माता-पिता ने उसे डाक्टर बनाया, उसके परिश्रम ने भी उसका साथ दिया, वह तो अब वापस आने से रही। और तो और उसकी तस्वीरें जगह-जगह दिखाई दे रही हैं। उसका नाम बताया जा रहा है। जबकि कानूनन ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है। आज जब बड़ी संख्या में लड़कियां काम-काज के लिए बाहर निकल रही हैं, तब सत्ताधारियों द्वारा उनकी हस्ती को मिटा देने के ऐसे षड्यंत्र क्यों सफल हों। कायदे से तो महिलाओं को अपनी सुरक्षा की आवाज के तहत उन दलों से सवाल पूछने चाहिए। पितृसत्ता-पितृसत्ता चिल्लाइए और जब मौका मिले उसकी आड़ में या अपने-अपने दलों की आड़ में छिप जाइए, यह कितना शर्मनाक है।

ठीक नहीं हर जगह लीक का सिलसिला

आलोक पुराणिक

बारिश रुकने का नाम न ले रही कई जगह। लगता है कि बादल लीक हो रहे हैं, हालांकि लीक होने की परंपरा तमाम तरह के इम्तिहानों में देखी गयी थी।

नेट यानी प्रोफेसर बनाने वाली और स्कालरशिप की परीक्षा और नीट यानी मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा में पेपर लीक हो गये, ऐसी चर्चा थी।

झारखंड में भी नेताओं के लीक होने के समाचार हैं। चंपई सोरेन उधर की साइड थे, अब इधर की साइड आने के आसार हैं। नेता इधर से उधर बाद में जाता है, पहले अपने जाने की खबर लीक करता है इस भाव में कि हम रूठे हुए हैं, हमें मना लो टाइप्स। उन्हें कायदे से मना लिया जाता है, तो वह मान जाते हैं। सौदा नहीं पटता, तो राष्ट्र रहित और राज्य हित में वो पार्टी छोड़कर चले जाते हैं।

खैर, नेट के परचे लीक हो लिये, नीट वाले भी लीक हो लिये, सब लीक हो रहा है। बादल भी लीक हो लिये। लीक पेपर से पढ़कर बना डाक्टर बहुत ही खतरनाक हो सकता है। मरीज सामने पड़ा हो लीक वाले डाक्टर के, तो वह इलाज करने के बजाय तलाशेगा उस बंदे को जो आपरेशन के तौर-तरीके लीक करे, बता दे।

इधर मेरे टेंशन दूसरे हो गये हैं, पेपर लीक हो रहे हैं, ऐसा न हो कि कोई इन्हीं लीकबाजों को लाखों रुपये देकर हमारे डिफेंस सीक्रेट भी लीक करवा ले। मेरा निवेदन कि तमाम डिफेंस के दफ्तरों में फर्जी नक्शे वगैरह रखवा दिये जायें, ताकि अगर लीक हों, तो भी फर्जी डॉक्यूमेंट ही लीक हों। चंद्रयान का फर्जी नक्शा बनाकर रख दिया जाये, कोई उसे कापी करके बनाये, तो चाईनीज टाइप का चंद्रयान ही बने।

विपक्ष के नेता का आरोप है कि पीएम मोदी ने यूक्रेन की जंग रुकवा दी, पर पेपर लीक न रुकवा पा रहे हैं। पर इस बयान से पता लगता है कि हमारे भारत में ऐसे लीक-वीर हैं, जो बड़े-बड़े योद्धाओं पर भारी पड़ सकते हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत के ऐसे ही किसी लीक-वीर को ले जायें वह यूक्रेन का पूरा युद्ध प्लान ही लीक करके पुतिन को दे देंगे। युद्ध जल्दी खत्म हो जायेगा।

उधर एक खबर यह है कि एक प्रदेश में एक राजनीतिक पार्टी तमाम हारों से परेशान होकर अपने दफ्तर के वास्तु को बदलने पर उतरी है। पुराने वक्त में हार के बाद नेता बदले जाते थे, अब वास्तु बदला जाता है।

वास्तु के अलावा बाबाओं को भी बदलने का दौर चलता है। कोई बाबा कुछ कह गये थे, उनकी बात सही साबित न हुई। अब नये बाबा आ गये। बाबाओं और टीवी में यही फर्क है, बंदा टीवी ले और वह शर्तों के हिसाब से काम न करे, तो वह बंदा जाकर टीवी वाले से रकम वापस ले आता है। पर बाबा के मामले में यह न होता, कुछ वापस न मिलता, फिर बंदा नये बाबा की तलाश में निकल जाता है।

जलवायु परिवर्तन से पीने योग्य नहीं रहेगा भूजल

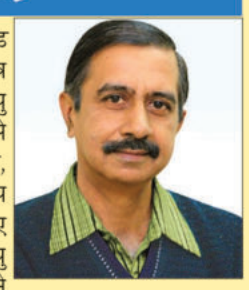
मुकुल व्यास

दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है। शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है। सबसे खराब स्थिति में, 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं। इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं। लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता।

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है। लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है। यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं। फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है। सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है। लेकिन बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है।

इस अध्ययन की मुख्य लेखिका और जर्मनी के कार्लश्रु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की भू-विज्ञानी सुजैन बेंज के अनुसार दुनिया मे पहले से ही लगभग 3 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं,जहां भूजल पीने के पानी के सख्त दिशा-निर्देशों में निर्धारित तापमान से ज्यादा गर्म है। इसका मतलब है कि बिना ट्रीटमेंट के वहां का पानी पीना सुरक्षित नहीं है। आसपास पर्याप्त आकार के सतही जलाशयों वाली आबादी के लिए भी गर्म भूजल उन प्रमुख कारकों को बदल सकता है जो पानी को मानव उपभोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। 7.7 करोड़ से 18.8 करोड़ लोगों के ऐसे क्षेत्र में रहने का अनुमान है जहां भूजल 2100 तक पीने योग्य मानकों को पूरा नहीं कर पाएगा। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि भूजल की रक्षा के लिए कार्रवाई करना और भूजल पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए स्थायी समाधान खोजना कितना आवश्यक है।

इस बीच, जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं। फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं। इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। विशेषज्ञों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है। 2020 से इसमें तेजी आई है। यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

नए अध्ययन के शोधकर्ताओं ने मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रणनीतियां तैयार की हैं जिनका उपयोग विभिन्न देश उचित कार्रवाई करने के लिए कर सकते हैं। इसमें मदद करने के लिए उन्होंने एक ऑनलाइन टूल भी विकसित किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मीथेन उत्सर्जन में यह निरंतर वृद्धि मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के लगातार उपयोग के कारण है। मीथेन सीधे तेल,गैस और कोयले की ड्रिलिंग और प्रोसेसिंग द्वारा उत्पादित होती है। अब एक नई बात यह है कि गर्म जलवायु के कारण प्राकृतिक आर्द्रभूमि से मीथेन का बढ़ता उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि कर रहे हैं। लैंडफिल, पिघलते हुए पर्माफॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) और पशुधन से भी मीथेन का उत्पादन होता है। अमेरिका में ड्यूक विश्वविद्यालय के जलवायु विशेषज्ञ डू शिंडेल का कहना है कि फिलहाल इन स्रोतों से उत्सर्जन में योगदान मामूली है। हालांकि इन पर भी बारीकी से नज़र रखने की ज़रूरत है।

शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में लिखा है कि जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए दुनियाभर के प्रयास मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड पर केंद्रित हैं। चूंकि मानव जाति कई दशकों से जलवायु परिवर्तन को पर्याप्त रूप से निपटने में विफल रही है, इसलिए अब वार्मिंग को तय लक्ष्यों से नीचे रखने के लिए हमें सभी प्रमुख जलवायु प्रदूषकों पर अंकुश लगाने पड़ेंगे। इस समय हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में मीथेन की मात्रा बहुत कम है,लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मीथेन एक अधिक शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैस है। हम जानते हैं कि दुनिया के गर्म होने में मीथेन का भी एक बड़ा योगदान है जो कार्बन डाइऑक्साइड की तरह ही गर्मी को कैद करती है। यह जमीन पर ओजोन के निर्माण में भी योगदान देती है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के कारण मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है।

अध्ययन में पाया गया है कि इन सभी मीथेन स्रोतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड में कमी लाने के लक्ष्यों के साथ-साथ मीथेन में कमी के लक्ष्यों को भी लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए नई प्रौद्योगिकियों और नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने लिखा है कि इस दशक में मीथेन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाना निकट भविष्य में गर्मी को धीमा करने और कम वार्मिंग के कार्बन बजट को पहुंच के भीतर रखने के लिए आवश्यक है। कार्बन बजट से अभिप्राय प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड की औसत मात्रा से है, जिसे वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए उत्पादित किया जा सकता है।

किसानों का सोयाबीन की फसल से हो रहा मोहभंग

माही की गूंज, मंदसौर।

सोयाबीन बेल्ट के रूप में पहचान बना चुके मालवा-निमाड़ में अब किसान का सोयाबीन से मोहभंग हो रहा हैं। सरकार ने सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4892 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, लेकिन अधिकांश मंडियो में किसानों क दाम अधिकतम 4000 रुपये प्रति क्विंटल से कम ही मिल रहे हैं।

जिले में है यह हाल

इससे निराश मंदसौर जिले के दो किसान अभी तक 17 बीघा में खड़ी सोयाबीन फसल पर रोटावेटर चला चुके हैं। कुछ अन्य किसान भी इनके समर्थन में दिख रहे हैं। इधर, भारतीय किसान संघ भी मानता है कि सरकार किसानों को सोयाबीन के तय दाम भी नहीं दिला पा रही हैं। इसके लिए आंदोलन की भी तैयारी हो रही हैं।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में किसानों का सोयाबीन की फसल से मोह भंग होता जा रहा है। किसानों का आरोप है जो लागत आ रही है उसके मुताबिक मंडी में सोयाबीन के भाव नहीं मिल रहा है। मंदसौर जिले में अभी तक किसानों ने 2.48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन की बोवनी की हैं। सरकार भी अभी तक किसानों को एमएसपी के हिसाब से 4892 रुपये प्रति क्विंटल के भाव नहीं दिला पाई है। इसके चलते अभी तक दो किसानों ने अपने 17 बीघा खेत में रोटावेटर चलाकर फसल को नष्ट कर दिया है। मंगलवार को दलौदा तहसील के ग्राम राकोदा निवासी किसान नागेश्वर पाटीदार ने 10 बीघा जमीन पर लगाई सोयाबीन में से 5 बीघा पर रोटावेटर से हकाई करा दी है।

अब सोयाबीन की खेती घाटे का सौदा

किसानों का कहना है कि, आज हालातों में सोयाबीन की खेती करना घाटे का सौदा लग रहा है। सोयाबीन के दाम अभी 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल से आगे ही नहीं बढ़ रहे हैं। इससे लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। आज की परिस्थिति में सोयबीन बोने से अच्छा है खेत को खाली रखा जाए ताकि खेत की उर्वरा शक्ति बची रहे। आज तमाम तरह की दवाईयां, खाद,बीज पर ही सवा लाख रुपये से ज्यादा खर्च कर चुके हैं।

अब हालात अनुकूल नहीं

इससे पहले रविवार को गरोठ तहसील

के देवरिया निवासी किसान कमलेश पाटीदार ने भी लगभग 10 बीघा जमीन में सोयाबीन की फसल रोटावेटर से हंकाई करा दी। किसाना का कहना है कि मैं कई वर्षों से सोयाबीन की खेती करते आ रहा हूं, लेकिन आज के हालातों में सोयाबीन की खेती करना घाटे का सौदा लग रहा है।

लागत निकालना भी मुश्किल

कमलेश ने बताया कि, पिछले वर्ष की 140 क्विंटल सोयाबीन को 16 अगस्त को ही 3800 रुपये क्विंटल में बेचा। पर इससे लागत निकलना भी मुश्किल हो रहा है। आज की परिस्थिति में सोयबीन की बोवनी से अच्छा है कि खेत को खाली ही रखा जाए। ताकि खेत की उर्वरा शक्ति बची रहें। किसान भाइयों से यही कहेंकि कि आने वाले समय में अगर सोयाबीन 3000 से 3500 रुपये क्विंटल बिकता है तो सोयाबीन की खेती घाटे का सौदा होगा।

हाईटेक कॉलोनी के 5 घरों में चोरीः सोने-चांदी के जेवर समेत नगदी ले उड़े चोर

माही की गूंज, शुजालपुर।

जिले के शुजालपुर में अज्ञात चोरों ने हाईटेक कॉलोनी के पांच घरों को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। दरअसल रक्षा बंधन

पर्व मनाने अपने गृह ग्राम गए 5 परिवार के सूने मकानों को अज्ञात बदमाशो ने बीती रात निशाना बनाया और लाखों के जेवर, हजारों की नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

शुजालपुर के कमलिया बायपास मार्ग पर बसी हाईटेक सहगल कालोनी में चोरी की घटना की खबर पर मंडी थाना पुलिस जांच करने पहुंची। पुलिस थाना मंडी के सहायक उप निरीक्षक भेमेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि सभी 4 मकान एक ही लाइन में स्थित है। रक्षा बंधन पर्व मनाकर मंगलवार सुबह वापस आने पर घर का ताला टुटा होने पर उन्हें घटना का पता चला।

5 घरों में हुई चोरी की वारदात

यहां रहने वाले विकास पिता कुंवर मालवीय के निवास से चांदी 700 ग्राम, 25 हजार की नगदी चोरी हुई है। पास ही रहने वाले मानसिंह पिता बुखार सिंह मालवीय के निवास से 25 हजार नगदी व राहुल पिता रामचरण परमार के घर से करीब 700 ग्राम चांदी, 4 तोला सोना के जेवर व 40 हजार नगदी चोरी हुए है। चौथा मकान जिसके ताले टूटे है, उसके मकान मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। मकान मालिक के आने के बाद पता चलेगा कि चौथे मकान में कितना नुकसान हुआ है। पुलिस ने मौका मुआयना किया है। अभी कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। कालोनी में जहां सीसीटीवी कैमरे लगे है, वो घटनास्थल से दूर है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

पुलिस सीसीटीवी से भी सुराग लगाकर बदमाशों की जानकारी जुटाने का प्रयास करने की बात कह रही है। उधर कालोनी के रहवासी राहुल परमार ने बताया कुल 5 घर में चोरी हुई है। यहां रहने वाले इंद्रपाल सिंह खींची बेरछा दातार, रवि परमार के मकान में अभी कोई आया नहीं, इसलिए चोरी में क्या गया, इसका पता नहीं चला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आधार कार्ड लेकर 2 वर्ष से भटक रहा सख्स, खुद की जगह अपडेट हो गई मां की फोटो

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स के आधार कार्ड पर उसकी मृत मां का फोटो अपडेट हो गया है। इस शख्स की मां का निधन 2 वर्ष पहले ही हो चुका है।

अब ये शख्स अधिकारियों के चक्कर काटकर परेशान है, लेकिन उसके आधार कार्ड पर उसकी फोटो अपडेट नहीं हो पा रही है। शख्स का कहना है कि उसे सरकारी योजनाओं का भी फायदा नहीं मिल पा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

मंदसौर में कलेक्टर सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई में एक मामला सामने आया है। जिसमें बेटा अपनी मरी हुई मां का आधार कार्ड लेकर बहुत समय से चक्कर लगा रहा है। बेटे के आधार कार्ड में अपनी मां का फोटो अपडेट हो गया है, जिसमें सुधार के लिए वह 2 सालों से चक्कर लगा रहा है लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

जनसुनवाई में सीतामऊ तहसील के चिकला निवासी किसान ईश्वर लला पाटीदार ने बताया कि उसके आधार कार्ड में उसके फोटो की जगह उसकी मां भागू बाई का फोटो लगा है, जिनका स्वर्गवास 2 साल पहले हो चुका है। पीड़ित ने यह भी बताया कि उसका और उसकी मां का अलग-अलग आधार कार्ड बना है लेकिन दोनों में फोटो एक ही है।

पीड़ित कई दिनों से आधार सेंटर के चक्कर लगा रहा है लेकिन आधार में फोटो चेंज नहीं हो रहा है। पीड़ित ने कलेक्टर से इस गलती को ठीक करवाने की गुहार लगाई है। पीड़ित का कहना है कि बार-बार अपना आधार कार्ड सही करवाने की कोशिश के बावजूद इस समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

पीड़ित का कहना है कि गलत फोटो की वजह से वह प्रशासन की योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहा है। इसी वजह से उसकी कृषि भूमि पर मिलने वाली सम्मान निधि भी नहीं आ रही है।

कलेक्टर ने दिया मदद का आश्वासन

ये मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अदिति गर्ग ने आश्वासन दिया है कि जल्द इस समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

रक्षाबंधन के पर्व पर बेटी ने पिताजी को हेलमेट किया भेंट

माही की गुंज, अकोदिया।

रक्षाबंधन का पूर्व भाई बहन का सबसे पवित्र पर्व माना जाता है लेकिन बहन के अलावा जहां बहन को भाई की कलाइयों में राखी बांधने का हक होता है। वही पिता श्री की भी चिंता रहती हैं इसलिए आष्टा क्षेत्र के एक राजपूत परिवार की बेटी ने रक्षाबंधन के पावन शुभ अवसर पर अपने पिता

श्री चरण स्पर्श अगर उनसे आशीर्वाद लिया। उनके भाई के साथ ही पिताजी को राखी बांध कर उन्हें हेलमेट भैट कर उनसे ईनाम स्वरूप कुछ वचन मांगे। बेटी ने रक्षाबंधन पर कहा कि, आप बाइक पर जब भी चलोगे यहां भी जाओगे यह बहन का दिया हुआ हेलमेट साथ में रखना यमराज भी आपको टच नहीं करेगा की बात कही यहां बेटी ने पिताजी भाई से इस बात का वचन लिया पिता श्री ने भी बेटी को वचन देते हुए कहा कि रक्षाबंधन के पावन शुभ अवसर पर आपने मुझे मेरी जान की सुरक्षा के लिए जो कवच के रूप में हेलमेट दिया है। उसके लिए मैं सदैव सदैव बेटी आपका आभारी रहूंगा की बात कही।

उक्त मामला आष्टा क्षेत्र में के विकास खंड शिक्षा अधिकारी आष्टा के श्री अजब सिंह जी राजपूत की बेटी आरती राजपूत ने रक्षाबंधन पर हेलमेट देकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया आरती राजपूत वर्तमान में भोपाल से बीडीएस कर रही है। उन्हें अपने घर परिवार की हमेशा चिंताएं रहती है इसीलिए आज हेलमेट भेंट किया है। आरती राजपूत ने देशभर की समस्त बहनों से अपील की है कि आप छोटे-छोटे बच्चों के कपड़े मिठाई की बजाय बच्चों के पिताजी के लिए हेलमेट ले जाए जिससे आपका भाई सुरक्षित रहेगा अगर आपका भाई सुरक्षित है तो घर अपने आप सुरक्षित रहेगा की अपील की है।

सिलेंडर लेकर ट्रेन में चढ़ा यात्री, चलती ट्रेन में गैस हुई लीक

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो सकता था। रतलाम मंडल में जोधपुर-इंदौर एक?सप्रेस के जनरल कोच में गैस सिलेंडर लिकेज होने व गैस फैलने से अंदर सवार यात्री घबरा गए और उन्हें लगा कि उनकी जान अब जोखिम में है लेकिन गनीमत रही कि जान-माल की कोई हानि नहीं हुई। ये वाक्या मंगलवार रात 8.15 बजे का है।

इसके बाद कोच से फौरन सिलेंडर बाहर फेंका गया और ट्रेन के ठहरते ही अंदर सवार यात्री नीचे उतर गए। गनीमत ये है कि यात्रि?यों को इसकी समय रहते भनक लग गई। वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

ट्रेन में बदबू फैलने से यात्रियों को इसके बारे में पता चला

पूरी जानकारी के मुताबक ट्रेन संख?या 14801 के जनरल कोच में किसी यात्री ने एलपीजी गैस सिलेंडर जनरल कोच में चढ़ा दिया। इसके बाद ढोढर स?टेशन निकलने के बाद कोच में गैस की बदबू फैलने से या?त्रियों को इसकी भनक लगी। ढोढर तथा जावरा के बीच किसी यात्री ने चलती ट्रेन से सिलेंडर बाहर फेंका। वहीं ट्रेन के रुकते ही घबराए यात्री नीचे उतर गए। इस ट्रेन में सवार एक यात्री ने बताया कि सिलेंडर पिछले किसी स्टेशन से चढ़ाया गया था।

सिलेंडर चढ़ाने वाले यात्री की कर दी पिटाई

बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम में रेल प्रशासन की लापरवाही सामने आ रही है। कैसे कोई यात्री गैस सिलेंडर लेकर स्टेशन पर पहुंचा और आसानी से ट्रेन में भी चढ़ गया। वो तो गनीमत रही कि ट्रेन में कोई यात्री धूम्रपान नही कर रहा था वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था। बताया गया की बाद में यात्रियों ने सिलेंडर चढ़ाने वाले यात्री की पिटाई भी कर दी। इस मामले की मंदसौर आरपीएफ जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर बहन ने भाई को तलवार की भेंट

माही की गुंज, शुजालपुर।

भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा के निवास पर बहनों ने रक्षाबंधन मनाते हुए भाई की कलाई पर राखी बांधकर तलवार भेंट की है। सलसलाई नगर के भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा के घर की बहनों ने रक्षा बंधन पर अपने पांच भाइयों को शुभ मुहूर्त मे पूजा अर्चना कर रक्षाबंधन पर्व पर भाइयों के हाथों की कलाइयां पर धागा बांधकर उन्हें शुभकामना देते हुए उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर बहनों ने मिलकर पांच भाइयों को तलवार भेंट की है। साथ ही बहनों ने देश भर की महिलाओं से अपील की है कि वह रक्षाबंधन पर्व पर ऐसा उपहार दे जब परिवार पर मुसीबत आ जाए तो उनको किसी के घर किसी प्रकार का कोई हथियार लाना ना पड़े समय का कोई भरोसा नहीं है। हाल ही में बांग्लादेश में चल रहे हैं मामले को देखकर हम बहनों ने इसी प्रकार का निर्णय लिया और ना तो हम बच्चों के लिए कोई मिठाई लाए न खिलौना लाए ना कपड़े हम तो केवल नारियल और एक धागा लेकर चारों बहन पांच भाइयों के हाथों की कलाई में धागा बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना करते हुए उन्हें तलवार भेंट की। भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा की चारों बहनों ने देशभर की तमाम महिलाओं से अपील करते कहा कि आगे से रक्षाबंधन के पर्व पर अपने भाइयों को किस प्रकार का गिफ्ट भेंट ना करते हुए तलवारें भेंट करे ताकि हमारा परिवार मुकाबला करने में बाजी जीत सके।

शाही रथ पर सवार होकर बाबा पशुपतिनाथ ने जाना भक्तो का हाल

माही की गूंज, मंदसौर।

सावन के अंतिम सोमवार को परम्परा अनुसार नगर के आराध्य देव भगवान पशुपतिनाथ महादेव की शाही सवारी ठाठ बाट के साथ प्रातः 11 बजे भगवान पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण से निकली।

सवारी निकलने से पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बाबा पशुपतिनाथ की रजत प्रतिमा की पूजा अर्चना की। बाबा पशुपति नाथ की शाही सवारी में ढोल नगाड़े, विशाल नन्दी पर सवार शिव पार्वती, अघोरी की झांकी, राधाकृष्ण, मां कालिका, शिव पार्वती सहित कई आकर्षक झांकिया, पंजाब के ढोल उज्जैन के ताशे, अखाड़े शाही सवारी की शोभा बढ़ा रहे थे।

शाही सवारी में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, कलेक्टर अदिति गर्ग, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनन्द सहित जनप्रतिनिधि शामिल हुए। शाही सवारी के साथ चल रहे अखाड़े में प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने तलवार बाजी कर प्रदर्शन किया। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा कॉलेज के समय से अखाड़े में रहे हैं। अखाड़े से उनका लगाव इतना है कि जब भी उन्हें कहीं अखाड़े में युवा करतब दिखाते नजर आते हैं तो वे खुद को रोक नहीं पाते हैं और लाठी या तलवार बाजी में अपने हाथ आजमा ही लेते हैं। कैबिनेट मंत्री रहते पहले भी उनके कई वीडियो सामने आए हैं। जिनमें वे अखाड़े के करतब दिखाते नजर आ रहे हैं।

भगवान पशुपतिनाथ का नयनाभिराम श्रृंगार, बहनों ने हाथों से बनाई रखी अर्पण की

सावन का पांचवेंऔर अंतिम सोमवार को ही भाई बहन का पर्व रक्षा बंधन भी था। सावन के अंतिम सोमवार को सुबह से शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। जिले के प्रमुख मंदिरों में भक्त कांवड़ यात्रा और पैदल यात्रा के रूप में महादेव के दर्शनों के लिए पहुंचे।

मंदसौर के अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में सुबह महादेव का दूध, दही, पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। सुबह की आरती के बाद अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ का चंदन, भांग, सूखे मेवे, बिल्वपत्र, फूलों से विशेष नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। महादेव को आकर्षक पगड़ी पहनाई गई और भांग, व सूखे मेवे से अर्धनारीश्वर श्रृंगार किया।

मन्दसौर निवासी अर्पणा जैन ने सूत के धागे से बनी 11 फीट लंबी रखी पहनाई गई। अर्पणा ने बताया कि वे पिछले 18 वर्षों से पशुपतिनाथ को राखी बांध रही है। इस बार उन्होंने पांच स्व छह दिन की मेहनत से रक्षा सूत्र के उपयोग में आने वाली मोली से राखी बनाई है। इसे बनाने में उनकी परिवार ने भी सहयोग किया।

न्यूज ब्रीफ

जमीनों से बेदखल करने की तैयारी निराधार

माही की गूंज, झाबुआ।

विगत कुछ दिनों से सोशल मीडिया के माध्यम से यह भ्रामक जानकारी फैलायी जा रही है कि, प्रशासन द्वारा राणापुर क्षेत्र में भूतखेडी, सालरपाडा, मातासुला पंचायत क्षेत्र की जमीनों को खनिज हेतु नीलाम कर ग्रामीणो को जमीनों से बेदखल करने की तैयारी हो रही है, जो कि पूर्णतः निराधार हैं।

जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं भेजा गया है, ना ही ऐसी कोई कार्यवाही की जा रही हैं यह जानकारी झाबुआ एसडीएम सत्यनारायण दर्रो ने दी।

डूबने से मृत्यु होने पर दिया अनुदान

माही की गूंज, झाबुआ।

एसडीएम मेघनगर के आदेशानुसार मृतक कालिया पिता मडिया चौहान निवासी ग्राम नौगावां तहसील मेघनगर की 29 अगस्त 2023 को कुँए के पानी में डुबने के कारण मृत्यु हो जाने पर मृतक के वैध वारिसान उसकी धर्म पत्नी कालीबाई को आर्थिक अनुदान सहायता के रूप में 4 लाख रूपये राशि की स्वीकृती दी गई।

अग्निपथ की पब्लिसीटी 24 तक

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में जिले के छः विकासखण्डों में संचालित सीएम राईज स्कूल रानापुर में 22 अगस्त को प्रातः साढे 10 बजे शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रोटला, दोपहर 2 बजे शासकीय एकलव्य आदर्श आवसीय विद्यालय अगराल, 23 अगस्त को प्रातः साढे 10 बजे सीएम राईज स्कूल थान्दला, दोपहर 2 बजे सीएम राईज स्कूल कल्याणपुरा, 24 अगस्त को प्रातः साढे 10 बजे शासकीय एकलव्य आदर्श आवसीय विद्यालय पेटलावद, दोपहर 2 बजे शासकीय आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालय झाबुआ में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिये इण्डियन एयरफोर्स के वॉरियर्स द्वारा 22 से 24 अगस्त तक तीन दिवसीय पब्लिसीटी ड्राईव का आयोजन किया जा रहा है। पब्लिसीटी ड्राईव का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को अग्निपथ योजनान्तर्गत अग्निवीर वायु के पदों पर इण्डियन एयरफोर्स में रोजगार प्राप्ति की संभावनाओं से अवगत कराते हुए चयन हेतु इसकी तैयारी की जानकारी देकर इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने हेतु प्रोत्साहित करना है।

नशीली दवाओं की रोकथाम हेतु आज होगी बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. राहुल फटिंग की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय के लिये जिला स्तरीय समिति की बैठक आज दोपहर साढे 3 बजे कलेक्टरेट सभागृह बड़वानी में आयोजित की गई है।

शतप्रतिशत लागू हो पेसा एक्ट के समस्त प्रावधान - श्री आर्य

माही की गूंज, बड़वानी।

बड़वानी जिला जनजातीय बाहुल्य जिला होने से जिले में पेसा एक्ट के समस्त प्रावधानों को लागू किया जाये। जिले में पेसा एक्ट के तहत सभी समितियों को गठन कर, उन्हे क्रियाशील किया जाये। जिससे कि इस अधिनियम का मूल उद्देश्य पूर्ण हो सके। जल, जंगल एवं जमीन पर जनजातीय समुदाय वर्षो से रहते आ रहे है, अतः चाहे ग्राम के तालाब पर पट्टा देना हो, खदान पर खनन करना हो या जंगल से तेन्दूपत्ता व अन्य वस्तु का संग्रहण करना हो यह सभी कार्य पेसा एक्ट के तहत गठित समिति को ही दिया जाये। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री अंतरसिंह आर्य ने उक्त बाते बुधवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में आयोजित बैठक के दौरान कही। इस दौरान उन्होने निर्देशित किया कि पेसा एक्ट के तहत गठित शांति एवं विवाद निवारण समिति में बनाये गये रजिस्टर में अनिवार्य रूप से ग्राम से पलायन कर अन्य राज्यों में मजदूरी करने गये लोगों की प्रविष्टि की जाये। जिससे कि यह पता चल सके कि ग्राम को कौन सा व्यक्ति, किस ठेकेदार के साथ कहां मजदूरी करने गया है। जिससे कि उसके साथ मजदूरी पर गये स्थान पर कोई घटना-दुर्घटना होने पर जानकारी सुविधाजनक ढंग से मिल सके। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री अंतरसिंह आर्य ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समस्त योजनाओं में जनजातीय भाईयो एवं बहनों को पात्रतानुसार लाभ दिया जाये। साथ ही जनजातीय समुदाय के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर योजनाओं के तहत ऋण उपलब्ध करवाया जाये। वनाधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जाये। जनजातीय छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले विद्यार्थियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं सिकलसेल जांच करवाई जाये। विद्यार्थियों को सिकलसेल बीमारी के बारे में बताते हुए उन्हे बताया जाये कि अपने घरों में होने वाले विवाह के संबंध के दौरान अनिवार्य रूप से सिकलसेल कार्ड का भी मिलान कराये, क्योकि यह बीमारी जनजातीय समुदायक में वंशानुगत है। अगर दो पाजिटिव व्यक्ति आपस में विवाह करते है तो उनके बच्चे को भी उक्त बीमारी वंशानुगत होगी। यह थे उपस्थित बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निज सचिव प्रकाशसिंग उइके, जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश एवं श्रीमती विशाखा देशमुख, एसडीएम सेंधवा अभिषेक सराफ, बड़वानी भूपेन्द्र रावत, राजपुर जितेन्द्र कुमार पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधारोपण बैठक के पूर्व राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण भी किया। इस दौरान उन्होने निर्देशित किया कि नेशनल हाईवे एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के किनारों पर नीम एवं करंज के पौधे लगाये जाये। ये पौधे पर्यावरण के सुरक्षित एवं जल्दी ही पनपने वाले पौधे है। इसी प्रकार राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य ने शहर के देवीसिंग मार्ग पर पहुंचकर बोहरा समाज के व्यक्तियों द्वारा शहर में चलाये जा रहे बड़वानी ग्रीन फाउण्डेशन के तहत पौधारोपण भी किया। इस दौरान बड़वानी ग्रीन फाउण्डेशन के सदस्यों ने बताया कि उन्होने अभी पौधारोपण की शुरूआत अपने मोहल्ले से की है, धीरे-धीरे वे पूरे बड़वानी शहर में पौधारोपण कर इसे ग्रीन सिटी बनायेंगे।

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से राजस्व महाभियान की समीक्षा की

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व महाभियान 2.0 की समीक्षा की। उन्होने नामांतरण बंटवारा, नक्शा तरमीम, ई केवायसी सहित राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों एवं नेशनल व स्टेट हाइवे पर घुमने वाले गौवंश को गौशाला में भेजे जाने सम्बन्धी निर्देश दिये। उन्होंने मंकीपॉक्स सम्बन्धी एडवाइजरी जारी करने एवं सावधानी रखे जाने के लिए निर्देशित किया।

अतिवृष्टि के कारण होने वाली जनहानि का सर्वे कराये जाने एवं आरबीसी 6(4) के प्रकरण में तत्काल कार्यवाही करने, मूंग उड़द में लगने वाले रोगो का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। वीसी के उपरान्त कलेक्टर नेहा मीना द्वारा गौवंश को गौशाला में रखे जाने एवं नगर परिषद के साथ समन्वय से कार्यवाही करने के निर्देश दिये। अतिवृष्टि से हुई जन हानि मे आरबीसी 6(4) के प्रकरण पूर्ण करने, आपादा प्रबन्धन के तहत गठित क्रिक रिस्पांस टीम की मॉनिटरिंग एवं नेशनल हाइवे के आस-पास के गाँव की मैपिंग किये जाने हेतु निर्देशित किया।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गयी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी जिसमें से 50 से अधिक नॉन अटेण्डेट शिकायते होने से 18 अधिकारियों को नोटिस दिये जाने हेतु निर्देशित किया।

सड़को पर घुमने वाले गौवंश को गौशाला में पहुंचाने हेतु उचित प्रबन्ध किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही पुजारियों की नियुक्ति किये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देश दिये। भूमि आवंटन और भूअर्जन के लंबित प्रकरणों को पूर्ण करने, जिले में ई-श्रम के तहत दिये जाने वाली पात्रता पर्चियों सम्बन्धी जानकारी, खनिज विभाग द्वारा की गयी वसूली एवं लक्ष्य, स्पर्श पोर्टल पर दिव्यांगजनो का पंजीयन की समीक्षा की गयी।

लाडली फ्रेंडली पंचायत बनाये जाने हेतु की गयी कार्यवाही की समीक्षा कर कार्य में गति लाये जाने हेतु निर्देशित किया। इसी के साथ एक वर्ष से अधिक चलने वाली विभागीय जांच के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। समस्त हॉस्पीटल के फायर ऑडिट किये जाने और टीवी मुक्त पंचायत अभियान की समीक्षा कर त्वरित कार्यवाही के निर्देश उपस्थित एवं सम्बंधित अधिकारीयो को दिये।

24 घण्टे में सर्वाधिक हुई वर्षा

माही की गूंज, बड़वानी।

पिछले 24 घण्टों में सर्वाधिक 23.0 मिलीमीटर वर्षा पाटी में दर्ज हुई है। इस दौरान जिले में औसत रूप से 6.9 मिलीमीटर वर्षा हुई है। विगत 24 घण्टे के दौरान जिले के 10 वर्षामापी केन्द्रों में से बड़वानी में 6.0 मिलीमीटर, पाटी में 23.0 मिलीमीटर, अंजड में 11.0 मिलीमीटर, ठीकरी में 0.0 मिलीमीटर, राजपुर में 4.0 मिलीमीटर, सेंधवा में 1.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 1.0 मिलीमीटर, वरला में 21.2 मिलीमीटर, पानसेमल में 2.0 मिलीमीटर, निवाली में 0.0 मिलीमीटर वर्षा हुई है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आज दिनांक तक बड़वानी में 363.5 मिलीमीटर, पाटी में 345.7 मिलीमीटर, अंजड़ में 397.3 मिलीमीटर, ठीकरी में 390.5 मिलीमीटर, राजपुर 321.0 मिलीमीटर, सेंधवा 565.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 804.0 मिलीमीटर, वरला में 585.9 मिलीमीटर, पानसेमल में 542.6 मिलीमीटर तथा निवाली में 792.0 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। जिले की औसत वर्षा आज दिनांक तक 510.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जबकि गत वर्ष आज के ही दिनांक तक बड़वानी में 366.2 मिलीमीटर, पाटी में 194.9 मिलीमीटर, अंजड़ में 337.9 मिलीमीटर, ठीकरी में 389.6 मिलीमीटर, राजपुर में 331.6 मिलीमीटर, सेंधवा में 371.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 536.0 मिलीमीटर, वरला में 520.4 मिलीमीटर, पानसेमल में 364.8 मिलीमीटर एवं निवाली में 466.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष आज दिनांक तक जिले में 397.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

राष्ट्रीय अंतरीक्ष दिवस का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के आदेशानुसार तथा प्रभारी प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता एवं नोडल अधिकारी डॉ. रविन्द्र बरडे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरीक्ष दिवस 2024 को मनाने के लिये एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. श्याम नाईक ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि, ईसरो अंतरीक्ष और सौरमण्डल में उपस्थित ग्रहो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अंतरीक्ष यात्रियों के अंतरीक्षयान में जाने के लिये ली जाने वाली सुविधाओं, सावधानियों और समस्याओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता ने कहा कि, हम हमारे देश के वैज्ञानिको पर गर्व महसूस करते है, जिन्होंने चन्द्रमा की सतह के दक्षिणी ध्रुव पर दुनिया में सबसे पहले अंतरीक्षयान को सुरक्षित उतारा।

इस कायक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. रविन्द्र बरडे ने बताया कि, अंतरीक्षयान एक उपग्रह है और उपग्रह में जाने वाले अंतरीक्ष यात्री को विशेष पौषाक, विशेष खाना और अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जाने वाली जानकारी दी और विद्यार्थियों से कहा कि, विज्ञान के प्रति जागरूक रहे एवं ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक बनने की कौशिश करें और आप एक अच्छे वैज्ञानिक बनकर देश को गौरवान्वित कर सकते है।

जनसुनवाई में बताई समस्याएं

माही की गूंज, खरगोन।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 20 अगस्त को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में 34 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में ग्राम जोजलवाड़ी के दिव्यांग मधु देवड़े बैटरी चलित ट्राईसिकल दिलाने की मांग लेकर आएं थे। जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय को प्रकरण का परीक्षण कर पात्रता के आधार पर ट्राईसिकल दिलाने के निर्देश दिए गए। इंदिरा नगर खरगोन की बुजुर्ग महिला शिवकन्या बाई अपने पति के साथ शिकायत लेकर आयी थी कि आवास योजना के अंतर्गत उसका मकान बना हुआ है। लेकिन उसके बेटा बहु उन्हें प्रताड़ित करते हैं और घर से बाहर निकल जाने को कहते हैं। इस पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोलंकी ने शिवकन्या बाई और उसके पति को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायत पर शीघ्र कार्यवाही की जाएगी।

जल जीवन मिशन अंतर्गत समीक्षा बैठक

माही की गूंज, झाबुआ। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग झाबुआ में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक इंदौर जोन से मुख्य अभियंता विजय सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में, अधीक्षण यंत्री अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभाग प्रमुख जितेंद्र मावी, कार्यपालन यंत्री द्वारा उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अभियंता द्वारा उपस्थित सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं ठेकेदारों से जल जीवन मिशन के अंतर्गत किये जा रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई व समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए गए। साथ में योजना का कार्य न करने वाले फर्म को काली सूची में डालने के निर्देश दिए गए।

बैठक के बाद मुख्य अभियंता द्वारा विकासखंड झाबुआ की ग्राम पंचायत सेमलिया बड़ा, ग्राम पिपलिया पारा रोड की योजना के अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

विनिर्माण क्षेत्र मे बदलती भारत की तस्वीर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यतः कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाईयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दर्शाती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले एपीआई (ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन

इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाईयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने एपीआई के उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णतः बदल गई है एवं ।च्प् का निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय में एपीआई के निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आज एपीआई के उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विक एपीआई उद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्न एपीआई का उत्पादन किया जा रहा है। भारत में एपीआई का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब ÷विश्व का फार्मेसी हब÷ भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकार एपीआई के उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है। वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने एपीआई के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की थी। 35 सक्रिय दवा सामग्री का विनिर्माण, जो एपीआई का लगभग 67 प्रतिशत है, जिसके लिए भारत की 90 प्रतिशत आयात पर निर्भरता है, भारत में पीएलआई योजना के तहत प्रारम्भ किया जा चुका है। वर्ष 2022 के बाद से भारत के फार्मास्यूटिकल व्यवसाय में जबरदस्त बदलाव आया है एवं भारत अब वॉल्यूम उत्पादक से एक मूल्यवान आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। दवाई के क्षेत्र में भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो गया है।

लगभग 4 वर्ष पूर्व वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की उपलब्धतता में आई भारी कमी के चलते वाहनों के उत्पादन को भारी मात्रा में घटाना पड़ा था। परंतु, इसके बाद केंद्र सरकार ने यह बीड़ा उठाया था कि सेमीकंडक्टर के निर्माण के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर का बाजार 2,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जो वर्ष 2025 तक बढ़कर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं एवं सेमीकंडक्टर की विनिर्माण इकाईयां भारत में अधिक से अधिक संख्या में स्थापित हों इसके लिए भी केंद्र सरकार द्वारा गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत द्वारा सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया जा सकता है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तो वैश्विक स्तर पर कई प्रौद्योगिकी फर्म से भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने के लिए सीधे ही चर्चा भी कर चुके हैं। काउंटरपोईंट रीसर्च और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसीएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का सेमीकंडक्टर बाजार वर्ष 2026 तक लगभग 6,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा जो वर्ष 2019 के बाजार से तीन गुना अधिक होगा।

इसी प्रकार, भारत में आज आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में भी बहुत अधिक शोध चल रहा है ताकि आगे आने वाले समय में पूरे विश्व में भारत ही इस क्षेत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध कर सके। इस क्षेत्र में कार्य करने वाली अमेरिका की कुछ बहुराष्ट्रीय कम्पनियां तो बैंगलोर में आकर इस क्षेत्र के इंजीनियरों की भर्ती हेतु प्रयास भी करती दिखाई दे रही हैं। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आज विनिर्माण क्षेत्र के कई ऐसे क्षेत्रों में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है जिनमे कभी भारत का प्रभुत्व ही नहीं रहा है। इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्रों पर नागरिकों का दबाव भी कम हो रहा है।

सरकारी छात्रावास में नवाचार... शानदार सुविधाओं के बीच इठलाती है आदिवासी बेटियां

माही की गूंज, धार।

भारत जब स्वतंत्र हुआ, तब महात्मा गांधी ने जैसा देश बनाने का संकल्प देखा था, उसमें यह भी शामिल था कि बेटियां पढ़ें और आगे बढ़ें। मप्र के धार जिले के सुसारी में लगता है बापू का यह सपना सच हो रहा है। यहां सरकारी छात्रावास में ऐसी शानदार सुविधाएं और माहौल मिल रहा है कि आदिवासी बेटियां इन सुविधाओं को पाकर इठलाती हैं और यह सब देखकर गांधीजी की अर्धांगिनी कस्तूरबा जहां होंगी, वहां प्रसन्न होकर मुस्कुराती होंगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में अलग माहौल

दरअसल, सरकारी छात्रावासों में अव्यवस्थाओं की खबरें आती रहती हैं, लेकिन धार जिले के निसरपुर ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सुसारी में कुछ अलग ही किया गया है। सहकार और जनसहयोग से कक्षा नौ से 12 तक निवास करने वाली 100 आदिवासी बालिकाओं के लिए निजी छात्रावास से भी अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाकर नवाचार का संदेश दिया गया। अगर देखें तो प्रदेश के अधिकांश इलाकों में संचालित होने वाले शासकीय छात्रावासों की बदहाल स्थिति नजर आती है, परंतु इस छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को स्वस्थ, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दिया जा रहा है। दरअसल, सरकारी छात्रावासों में अव्यवस्थाओं की खबरें आती रहती हैं, लेकिन धार जिले के निसरपुर ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सुसारी में कुछ अलग ही किया गया है। सहकार और जनसहयोग से कक्षा नौ से 12 तक निवास करने वाली 100 आदिवासी बालिकाओं के लिए निजी छात्रावास से भी अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाकर नवाचार का संदेश दिया गया। अगर देखें तो प्रदेश के अधिकांश इलाकों में संचालित होने वाले शासकीय छात्रावासों की बदहाल स्थिति नजर आती है, परंतु इस छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को स्वस्थ, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दिया जा रहा है।

राजस्थानी मांडना और पिछोरा पेंटिंग

छात्रावास परिसर दो मंजिला है और 25 कमरे हैं। प्रत्येक कमरे में चार बालिकाएं रहती हैं। एक माह पहले यहां पर पहले चरण में 12 कमरों की दीवारों पर राजस्थानी मांडना और पिछोरा पेंटिंग के साथ खिड़कियां और आलमारियों पर सुंदर परदे लगाए। साथ ही पूरे परिसर में कारपेट और पेंटिंग का कार्य किया गया है।

सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे

परिसर में बालिकाओं की सुरक्षा के लिए आठ सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। गेट पर परिसर से बाहर अध्ययन करने के लिए चार्ट बना हुआ है। बालिकाओं को आत्मसुरक्षा के लिए कराटे, जूडो के साथ योगा

क्लास का संचालन होता है। स्मार्ट कोचिंग क्लास में प्रतिदिन अलग-अलग विषय पर उच्च शिक्षित शिक्षकों द्वारा क्लास ली जाती है। परिसर में एक लाइब्रेरी जनसहयोग से बनाई गई है। निजी चिकित्सक भी हर माह स्वास्थ्य परीक्षण करते हैं। बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई, पेंटिंग, वेस्ट से बेस्ट और परंपरागत आदिवासी वेशभूषा किस तरह बनाई जाती है, उनकी भी समय-समय पर ट्रेनिग करवाई जाती है। इसके पीछे यह मकसद कि अगर पढ़ाई के बाद बालिका नौकरी ना कर पाए तो वह इस तरह के कार्य कर खुद आत्मनिर्भर बन जाए।

खाना हमेशा गर्म मिलता है

बालिकाओं का खाना हमेशा गर्म मिले, इसके लिए छात्रावास में बिजली से गर्म पानी कर उसकी भाप से भोजन गर्म रहता है। कभी-कभी आदिवासी परंपरा अनुसार देसी चूल्हे और खापरी पर बने भोजन के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। मेस में डायनिग टेबल पर भोजन की व्यवस्था के साथ पीने के लिए आरओ पानी की व्यवस्था की गई।

भादों मास ने प्रथम दिवस ही दिखा दिया अपना रूप तेज गरज के साथ जमकर बरसे बदरा

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत एक हफ्ते से बारिश थमी होने से फसलें मुरझाने लगी थी उसी के साथ ही किसानों के चेहरे भी मुरझाने लगे थे। कृषकों को भादों मास से उम्मीद है कि बारिश होगी। शायद ऊपर वाले ने इनकी सुन ली, और भादों के प्रथम दिवस ही बादलों की तेज गर्जना के साथ जमकर बरसे बादलों ने क्षेत्र को तरबत कर दिया। जिससे किसानो के चेहरे खिल उठे। उम्मीद की जा रही है कि, इस बारिश से रिक्त पड़े जलाशयों में जलापूर्ति हो जायगी, जिससे वर्ष भर जलसंकट की समस्या समाप्त हो जायगी। भादों के प्रथम दिवस की वर्षा मुरझा रही फसलों में अमृत के समान मानी जा रही है।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को भगवान शिव की भव्य सवारी निकाली गई

माही की गूंज, आम्बुआ।

श्रावण के पवित्र मास का समापन पांचवे सोमवार तथा पूर्णमासी के दिन हुआ। शिव जी का प्रिय माह जोकि सोमवार से शुरू हो कर सोमवार को पूर्ण हुआ। यह अद्भुत संयोग 72 वर्षों बाद आया था, शिव भक्तों ने एक माह तक शिव अराधना की, तथा अंतिम सोमवार को शिव की सवारी बैंडबाजों के साथ कस्बे में निकाली गई। हर हर महादेव बंम बंम भोले की जय घोष से पूरा कस्बा गूंज उठा। सवारी में बालशिव भक्तमंडल के नन्हें शिवभक्तों ने अलग ही समा बांध दिया। शिव सवारी का अनेक स्थानों पर पूजन अर्चन किया गया। नगर भ्रमण पश्चात सवारी शंकर मंदिर पहुंची, जहां पर महाआरती पुजारी शंकरलाल पारिख द्वारा की जाकर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान पुलिस की माकूल व्यवस्था रही।

जूते के लैस बंधवाने वाले गुंडे का पुलिस ने निकाला जुलूस

इंदौर।

इंदौर में हुए विवाद के बाद एक आदिवासी युवक को जूते के फीते बांधने के लिए मजबूर करने वाले हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरे में आदिवासी पर हमले और गलत व्यवहार की घटना कैद हो गई थी। घटना के बाद से ही पुलिस को आरोपी की तलाश थी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आनंद यादव ने बताया कि, आरोपी रितेश राजपूत ने रविवार सुबह भंवरकुआं थाना इलाके में वाहन चलाने के विवाद में एक आदिवासी व्यक्ति से मारपीट की थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि, राजपूत का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ लूट और मारपीट के कम से कम 10 मामले चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार की घटना को लेकर भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया।

वहीं, जब पुलिसकर्मी आरोपी को घटनास्थल पर ले गए तो वह अपने कान पकड़े हुए बार-बार यह कहता हुआ दिखाई दिया कि उसने गलती की है। पुलिस ने इस दौरान गुंडे का जुलूस भी निकाला।

नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा

मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी इस मामले को उठाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और देश के गृहमंत्री अमित शाह को टैग करते हुए कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा, इंदौर के भंवरकुआं इलाके में सड़क पर ठीक से न चलने की बात पर एक आदिवासी युवक के साथ अकारण मारपीट की गई। बदमाश ने आदिवासी युवक की पिटाई करने के साथ उससे अपने जूते के लैस भी बंधवाए। आश्चर्य है कि इस बदमाश पर दर्जनभर मुकदमें दर्ज हैं, फिर भी वो खुला घूम रहा था। इंदौर में पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद शहर में आपराधिक मामले लगातार बढ़ रहे हैं। एमपी के गृहमंत्री का प्रभार सीएम के पास है और अब तो वे इंदौर के प्रभारी मंत्री भी हैं। इसके बाद भी शहर में कानून व्यवस्था की हालत कैसी है, इसे समझा जा सकता है!

बाईक ने तीन पहीया वाहन को टक्कर मारी, दो लोग

माही की गूंज, उज्जैन।

कार्तिक मेला ग्राउंड के पास तेज गति से दौड़ती बाईक ने तीन पहिया सायकल को टककर मार दी। दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि कल शाम कार्तिक मेला ग्राउंड गोनसा रोड पर गणेश मंदिर के सामने से राहुल पिता नरसु सिह जाति पारदी और राजविजय सिंह तीन पहिया सायकल पर सवार होकर जा रहे थे। इस दौरान तेज गति से आई मोटरसायकल ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में राहुल और उसका पुत्र राजविजय घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बाईक चालक वहाँ से भाग निकला। पुलिस ने घायल होने पर दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया।

नशा मुक्ति केन्द्र की तीसरी मंजिल से युवक ने कूदकर जान दी

माही की गूंज, उज्जैन।

एमआर-5 रोड पर स्थित परिवर्तन नशामुक्ति केन्द्र में भर्ती इंदौर के एक नशेड़ी युवक ने कल शाम तीसरी मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और शव को बरामद कर लिया। बुधवार सुबह मृतक के परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मौके पर नशामुक्ति केन्द्र का कोई व्यक्ति नहीं था। पुलिस उनके बयान लेगी।

महाकाल मंदिर में गर्भगृह दर्शन के टूट रहे नियम

माही की गूंज, उज्जैन।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में श्रद्धालुओं के प्रवेश बंद होने के बाद वीआईपी के अलावा उनके साथ आम श्रद्धालुओं को भी प्रवेश दिए जाने को लेकर विरोध लगातार हो रहा है। दर्शन के बाद कोई भी अपने ऊपर जिम्मेदारी नहीं लेता है। मंदिर के पंडे पुजारियों का कहना है कि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश शुरू कर देना चाहिए।

महाकाल के गर्भ गृह में एक साल से बंद है प्रवेश

4 जुलाई 2023 को श्रावण महीने में आने वाली भीड़ की देखते हुए 11 सितंबर 2023 तक के लिए गर्भगृह बंद किया गया था। उस दौरान मंदिर समिति ने कहा था कि सावन खत्म होते ही गर्भगृह आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। अब एक साल बीत जाने के बाद भी गर्भगृह आम भक्तों के लिए नहीं खोला गया है। 4 जुलाई 2023 से पहले 1500 रुपए की रसीद काटकर गर्भगृह में अभिषेक-पूजन करने दिया जाता था। वर्तमान में गणेश मंडपम् और नंदी हॉल से श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए जा रहे हैं। महाकाल मंदिर के महेश पुजारी ने बताया कि पहले 1500 रुपए की रसीद कटाकर लोगों को प्रवेश मिल रहा था। शुल्क लगाकर दर्शन कराना उचित था। अब देश भर के भक्त चाहते हैं कि महाकाल का गर्भगृह खुले। श्रद्धालुओं को एक लोटा जल चढ़ाने का मौका मिलना चाहिए। सावन खत्म हो चुका है, अब गर्भगृह के दर्शन पुनः प्रारंभ कर देना चाहिए।

भक्त ने बनाया केदारनाथ मंदिर का मॉडल, महाकाल का भी हो रहा तैयार

माही की गूंज, उज्जैन।

सांवेर रोड पर संसार बाजार के नाम से किराए की दुकान चलाने वाले गणेश नीलकंठ ने ज्योतिर्लिंग केदारनाथ मंदिर का मॉडल गत्ते व वॉटर कलर से तैयार किया है। अब वह महाकाल मंदिर का भी एक हूबहू मॉडल बना रहे हैं।

मूलतः इंदौर के रहने वाले गणेश नीलकंठ उर्फ राजू इंदौर ने अग्निबाण को चर्चा में बताया कि पेशे से वह क्रॉकरी आइटम के कारोबारी हैं और सिर्फ 10वीं कक्षा तक पढ़े हैं। स्कूल के वक्त से ही उन्हें चित्रकारी और हैंड क्राफ्टिंग बहुत पसंद हैं। यही कारण है कि वे खाली समय में पेंटिंग और हैंड क्राफ्टिंग करते हैं। गणेश ने अपनी क्रिएटिव प्रतिभा का कौशल दिखाते हुए उत्तराखंड स्थित श्री केदारनाथ मंदिर का मॉडल गत्ते व वॉटर कलर के जरिये तैयार किया। अब वे श्री महाकालेश्वर मन्दिर का एक हूबहू मॉडल तैयार कर रहे हैं। जिसकी संरचना लंबाई में 3 फीट और चौड़ाई में ढाई फीट और ऊंचाई करीब ढाई फीट है। यह दिखने में हूबहू उज्जैन के महाकाल मंदिर जैसा ही है जिसे खाकी रंग के गत्ते से तैयार किया गया है। उसके बाद उसे वॉटर कलर से रंगा जा रहा है। मंदिर को तैयार हालत में देख उनके परिवार के लोगों में भी खासा उत्साह है। गणेश नीलकंठ के मुताबिक उन्होंने महाकाल मंदिर का मॉडल बनाने में इंटरनेट व यूट्यूब की मदद ली है जिसके जरिए उन्होंने पहले श्री डाइमेंशनल प्रतिबिंब तैयार किया। इसके बाद उन्होंने गत्तों व पुस्टे की मदद से महाकाल मंदिर का हूबहू आर्किटेक्ट करीब 80 फीसदी तैयार कर लिया है। उनकी कोशिश होगी कि वह 2 सितंबर बाबा महाकाल की शाही सवारी के शुभ मुहूर्त में मॉडल में भगवान महाकालेश्वर की प्रतिमा की स्थापना कर उसकी पूजा करेंगे।

आर्डर पर तैयार करते हैं मॉडल

उल्लेखनीय है कि, गणेश नीलकंठ उर्फ राजू इंदौर तीन बत्ती चौराहा के समीप दुकान संचालित करते हैं। जहाँ उनके द्वारा बनाए जा रहे गत्ते का मन्दिर दिनभर दुकान पर आने वाले लोगों को भी खूब पसंद आ रहे हैं। कई लोग तो उन्हें महाकाल मन्दिर का हूबहू मॉडल तैयार करने का ऑर्डर भी दे चुके हैं। गणेश नीलकंठ के मुताबिक एक मन्दिर का मॉडल तैयार करने में उन्हें दो से तीन माह का समय लगता हैं, वहीं एक मॉडल की कीमत करीब 18 से 20 हजार रुपए तक होती हैं।

जहर उगल रहे औद्योगिक क्षेत्र के केमिकल, उद्योगों के आगे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नतमस्तक

कानून से बड़ा कोई नही कानून के समक्ष समानता का सिद्धांत सिर्फ किताबी जुमला बन कर रह गया

माही की गूंज, मेघनगर। इमरान शैख

ब्रोमोस केमिकल, ट्रेंट केमिकल, मेघनगर आर्गेनिक, राठौर फार्मासिटीकल, अंजनीया इंडस्ट्रीज सहित सब केमिकल और अन्य उद्योगों को मिली पर्यावरण अनापत्ति मिलने के बाद यही सामने आया कि, नियम विरुद्ध सब कर रहे हैं निर्धारित शर्तों का उल्लंघन।

संविधान का अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष सबको समानता का अधिकार प्रदाय करता है ओर कहता है कि, कानून के समक्ष सब लोग समान है। कानून से ऊपर कोई नही, मगर धरातल पर ऐसा देखने को नहीं मिलता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण मेघनगर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित केमिकल उद्योग है। इन माफियाओं के सामने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और मानो पूरा प्रशासन नतमस्तक है। औद्योगिक क्षेत्र मेघनगर में ब्रोमोस केमिकल, ट्रेंट केमिकल, मेघनगर आर्गेनिक, राठौर फार्मासिटीकल, अंजनीया इंडस्ट्रीज सहित कई केमिकल प्लांट स्थापित है, मगर ये सभी केमिकल प्लांट किसी भी तरह से पर्यावरण सरंक्षण के लिए बने कानूनों के निर्धारित मापदंडों पर खरे नहीं उतरते हैं। ये प्लांट सारे क्षेत्र के जमीन, पानी और हवा को प्रदूषित कर रहे हैं। इन उद्योगों को जल और वायु के अंतर्गत मिली अनापत्ति प्रमाण पत्र की सभी शर्तों का उलंघन करने के बावजूद भी प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा इनको जारी किए जाने वाले अनापत्ति प्रमाण-पत्र निरंतर बेरोकटोक जारी रखे जा रहे है, जिससे साबित होता है की राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारयों की इनके साथ खुली सॉठ-गॉठ है। जिस कारण क्षेत्र के लाखो लोग जहरीला पानी और जहरीली सांसें लेने को मजबूर है।

धुंए मात्र से एक रात में जल गई फसल, शहर को मिलने वाली नल जल योजना का पानी दूषित, गाय बैल जैसे जानवर मरे, इंसानों का क्या होगा हाल

इन केमिकल उद्योगों से निकलने वाले धुएं मात्र से कुछ दिन पहले फूट तालाब के किसानों के खेतों की फसलें जल गई। ब्रोमिन, एच एसिड, एसिडिक एसिड जैसे घातक रसायन सारे क्षेत्र की हवा और जल स्त्रोतों में पूर्ण रूप से घुल चुके हैं। जिस दूषित पानी को पीने से कई गाय, बैल मर चुके हैं, मेघनगर क्षेत्र को 32 करोड़ की योजना से मिला पीने का पानी इन केमिकल उद्योगों ने दूषित कर दिया। जिस से उसे बंद करना पड़ा। हवा पूर्ण रूप से जहरीली हो चुकी है, पूरे क्षेत्र के लोगो का स्वस्थ्य जीवन यापन करना मुश्किल हो चुका है। मगर इन रसूखदार माफियाओं पर तमाम कानूनों का उल्लंघन करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नही होती है। जनता, समाजसेवी, राजनेता सबने बड़े-बड़े आंदोलन किए, शिकायतें की, अखबारों ने समाचार प्रकाशित किए मगर हवा, पानी में जहर की जिम्मेदार इन बड़ी मछलियों पर कोई ठोस कार्रवाई नही हुई।

ना ग्रीन बेल्ट, ना ट्रीटमेंट प्लांट फिर कैसे जारी हुए अनापत्ति प्रमाण-पत्र...?

इन केमिकल उद्योगों के पास ना वर्तमान में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट है अगर है भी तो बिकुल जर्जर हालत में दिखावे मात्र के है। ना निर्धारित क्षेत्र और मात्रा में इनके द्वारा पौधारोपण किया गया है, ये दूषित पानी निरंतर भूमि में छोड़कर भू-जल को दूषित कर रहे हैं। जिस कारण बजाए इन उद्योगों को मिला अनापत्ति प्रमाण-पत्र जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1974 की धारा 32 का उलंघन करने पर निरस्त करने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आर्थिक सॉठ-गॉठ कर रिनियुवल कर देते हैं। ना ही स्थानीय प्रशासन लोक बाधा से मुक्ति दिलवाने के लिए उनको दी गई भारतीय नागरिक सुक्षा संहिता की धारा 152 का इस्तेमाल कर रहे हैं। नतिजन आमजन व जीव जन्तु का जीवन खतरे में डालने का कार्य ही ये जवाबदार कर रहे है।

बाजार बैठक शुल्क: रसीद 20 रुपये की वसूली 50 रुपये की...?

माही की गूंज, खवासा। सुनील सौलंकी

50 रूपये की वसूली की बात करने वाले व्यापारी बाद में रवी द्वारा बनाए गये वीडियो में 20 रूपये की वसूली की बात कही।

किसी भी स्थानीय परिषद की आय हेतु एक व्यवस्था अनुरूप बाजार बैठक शुल्क लिया जाता है। उक्त शुल्क ग्राम या शहर में हाट बाजार हो या अन्य दिन जो व्यापारी, हाथ ठेला या किसी वाहन पर बैठकर कोई दुकान शासकीय परिसीमन में लगाता है। उक्त दुकानदारों से स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित किया गया शुल्क वसूला जाता है। जिसकी बकायदा स्थानीय परिषद की रसीद भी व्यापारी को दी जाना होती है। उक्त शुल्क की वसूली हेतु स्थानीय निकाय के द्वारा विज्ञप्ति जारी कर टेंडर द्वारा ठेका भी दिया जाता है। उक्त ठेके में यह ठेका प्राप्त करने वाले के साथ स्थानीय निकाय का अनुबंध भी रहता है कि, वह ठेकेदार या उसके कर्मचारी स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित राशि वह भी रसीद के साथ ही प्राप्त कर सकता है। निर्धारित राशि से अधिक या बिना रसीद के वसूली करने पर टेंडर निरस्त करने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जा सकती है।

ग्राम पंचायत खवासा की बात करें तो 2024-25 हेतु बाजार बैठक शुल्क का टेंडर विधिवत कर रवि पिता कैलाश चंद्र मालवीय निवासी खवासा ने यह टेंडर 3 लाख 80 हजार रूपये में प्राप्त किया। लेकिन रक्षाबंधन के दौरान शनिवार त्यौहारिया हाट में सामने आया कि, रवि मालवीय ने ग्राम पंचायत से निर्धारित शुल्क 20 रुपये के बदले रसीद 20-20 रुपए की दी गई और 40 से 50 रुपये की अवैध वसूली व्यापारियों से की गई। वहीं कई व्यापारियों ने भी वीडियो कैमरे के सामने बताया कि, रवि मालवीय ने रसीद 20 रुपये की दी और वसूली 50 रुपये की। किसी व्यापारी ने 20 रुपये से अधिक देने से मना किया तो उस व्यापारी के पास अपने चार-पांच पठो को ले जाता और जबरदस्ती दादागिरी के साथ 50 रुपये की मांग करता और फिर व्यापारी भी 50 रुपये नहीं देने की बात पर अड़ जाते, उस व्यापारी से 40-50 रुपये रवि मालवीय लेकर आया। यह व्यापारियों की मुहजुबानी माही की गूंज के पास में मयप्रमाण के वीडियो है।

वही टेंडर प्राप्त रवि मालवीय ने भी अपने बचाव में एक वीडियो व्यापारियों का बनाया जिसमें वह व्यापारी भी है जिन्होंने 50 रुपये लेना बताया, बाद में रवि मालवीय ने दोबारा पूछा गया तो कैमरे के सामनें व्यापारी कह रहे हैं 20 रुपये की वसूली रसीद के साथ की गई और 50 रुपये की बात पर हा-ना, हा-ना करते व्यापारी नजर आए। दुसरा जारी वीडियो के बाद यही कहा जाने लगा कि, व्यापारियों को प्रतिदिन या प्रतिहाट व्यापार करने आना है और स्थानीय विवाद व अवैध वसूली के बीच नहीं पड़ उन्हें व्यापार करना है। इसलिए रवि द्वारा बनाए गए वीडियो में रवि जो चाहता था वह व्यापारी ने कह दिया।

मामले में ग्राम पंचायत सचिव कांतिलाल परमार से बात की तो बताया कि, यह शिकायत स्थानीय युवाओं के द्वारा ग्राम पंचायत को भी मिली है। शिकायत के बाद ग्राम पंचायत ने रवि मालवीय को लिखित में सूचना पत्र जारी कर हिदायत दी गई है कि, आगे से इस तरह से किसी प्रकार से व्यापारियों से अवैध वसूली की जाती है तो आपका टेंडर निरस्त करने के साथ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत व पूरा घटनाक्रम के बाद रवि मालवीय ने भी पंचायत एवं स्थानीय व्यक्तियों के सामने माफी मांग कर कहा कि, आगे से इस तरह की शिकायत नहीं आएगी न आगे से अवैध वसूली की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422